दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005 www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 154 ■ दमण, शनिवार 07, मार्च 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

वेल्स की प्रिंसेस केट मिडलटन ने यूके के लीसेस्टर में स्थानीय ब्रिटिश-भारतीय समुदाय के साथ मनाई होली

■ प्रिंसेस केट मिडलटन ने श्रीजी धाम हवेली हिंदू मंदिर में किये दर्शन, दूध का लगाया भोग ■ स्थानीय ब्रिटिश-भारतीय समुदाय ने प्रिंसेस केट मिडलटन का लाल गुलाब और मोतियों की माला से किया स्वागत: प्रिंसेस केट मिडलटन ने हाथ जोडकर नमस्ते के साथ लोगों का किया अभिवादन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, लीसेस्टर, 06 मार्च। वेल्स की प्रिंसेस केट मिडलटन ने यूके के लीसेस्टर में स्थानीय ब्रिटिश-भारतीय समुदाय के साथ होली मनाई। इस दौरान प्रिंसेस केट मिडलटन ने गोल्डन माइल बेलग्रेव रोड का दौरा किया। जहां उन्होंने साड़ी की दुकान देखी, चाय-मिठाई का आनंद लिया। उन्होंने श्रीजी धाम हवेली मंदिर में दर्शन किये और दूध का भोग लगाया। पारंपरिक नृत्य में भाग लिया, जो सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देने के लिए था। केट ने बेलग्रेव नेबरहुड सेंटर में बॉलीवुड नृत्य और कोरियोग्राफर आकाश ओदेदरा की प्रस्तुति देखी। स्थानीय- ब्रिटिश भारतीय समुदाय ने प्रिंसेस केट मिडलटन का गुलाब और मोतियों की माला पहनाकर सम्मान किया, उन्होंने नमस्ते के साथ लोगों का अभिवादन किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य ब्रिटेन में भारतीय समुदाय की संस्कृति, विरासत और सामुदायिक भावनाओं का जश्न मनाना था। केट मिडलटन ने सफेद रंग का राल्फ लॉरेन पोशाक और क्रिस केर कोट पहना था।

दमण नगरपालिका ने घरेलू कचरे के उचित निपटान के लिए जारी किये दिशानिर्देश

■ घरेलू कचरे को अलग-अलग 4 डब्बों में संग्रह करके कूडा संग्रहण वाहन को सौंपने के लिए दमण नगरपालिका विस्तार के सभी नागरिकों, संस्थानों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को दिये गये निर्देश

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 06 मार्च। दमण नगरपालिका ने घरेलू कचरे के उचित निपटान के लिए जरूरी दिशानिर्देश जारी किया है। इस बावत दमण नगरपालिका के प्रशासनिक अधिकारी द्वारा जारी प्रेसनोट में बताया गया है कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिनांक 19.02.2026 के आदेश के अनुपालन में और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रावधानों के तहत, जो 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होंगे, यह अधिसूचित किया जाता है कि दमण नगरपालिका दमण के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी नागरिकों, संस्थानों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के लिए उक्त नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा। निम्नलिखित प्रावधान 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होंगे। **अपशिष्ट पृथक्करण:** अपने घरेलू अपशिष्ट को कूड़ा संग्राहक को सौंपने से पहले, अपने अपशिष्ट को चार अलग-अलग डिब्बों/ थैलों में अलग करें। **गीला अपशिष्ट (हरा डिब्बा):** रसोई का बचा हुआ भोजन, पका हुआ भोजन, फल और सब्जियों के छिलके, बगीचे का अपशिष्ट आदि खाद बनाने के लिए। **सूखा अपशिष्ट (नीला डिब्बा):** कागज, प्लास्टिक की बोतलें, कांच, धातु, गत्ता आदि - पुनर्चक्रण के लिए। **खतरनाक अपशिष्ट (काला डिब्बा):** दवाइयां, बैटरियां, पेंट, रसायन, ई-कचरा इन्हें अन्य कचरे के साथ न मिलाएं। **स्वच्छता संबंधी अपशिष्ट (लाल डिब्बा):** डायपर, सैनिटरी नैपकिन, पट्टियां आदि इन्हें फेंकने से पहले अच्छी तरह लपेट लें। **कचरा कम करें:** एकल-उपयोग प्लास्टिक का उपयोग न करें, पुराने कपड़े, खिलौने और किताबें दमण नगरपालिका के आरआरआर केंद्र को दान करें। **घर पर खाद बनाएं:** यदि संभव हो तो गीले कचरे का उपयोग घर पर खाद बनाकर करें। सभी नागरिकों को उपरोक्त निर्देशों का सख्ती से पालन करने और अलग किए गए कचरे को घर-घर कचरा संग्रहण वाहन को सौंपने का निर्देश दिया जाता है। स्रोत पृथक्करण मानदंडों का पालन न करने पर लागू नगरपालिका नियमों के अनुसार जुर्माना लगाया जा सकता है। यह दमण नगरपालिका के मुख्य अधिकारी की स्वीकृति से जारी किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

દમણમાં નારાયણ પાર્ક, દેવકા રોડથી ૨૦૦ મીટરના અંતરે બે (2) પ્લોટ વેચવાના છે.

પર્યટન નગરી દમણમાં નારાયણ પાર્ક ખાતે દેવકા મેન રોડથી ૨૦૦ મીટરના અંતરે શહેર વિસ્તારમાં બંગલો, ગેસ્ટહાઉસ અને હોટલ લાયક બે (2) એનએ પ્લોટ વેચવાના છે. ઈચ્છુક વ્યક્તિઓ નીચે જણાવેલ નંબર પર સંપર્ક કરી શકે છે.

ધ્રુવિક ભટ્ટ મો.: 8758578177

वरकुंड ग्राम पंचायत में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 06 मार्च। राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण दमण और एडवोकेट बार एसोसिएशन दमण तथा प्रयास के संयुक्त सहयोग से दमण जिले की वरकुंड ग्राम पंचायत में आज सुबह 10 बजे कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शिविर में वकील मयंक पटेल ने कानूनी जानकारी देते हुए अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के स्वास्थ्य अधिकारों और कल्याणकारी योजनाओं के लिए कानूनी जागरूकता, स्कील इंडिया मिशन, प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल कौशल प्रशिक्षण तथा पीएम वन धन योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वकील स्मीता सूरती ने डॉन ए ड्रग फ्री इंडिया स्कीम 2025 पर जागरूकता एवं वेलनेस नेविगेशन के बारे में जानकारी दिया। वकील सोहिनी भंडारी ने यौन उत्पीडन/अन्य अपराधों की महिला पीडित/ उत्तरजीवियों के लिए नालसा मुआवजा योजना 2018 और सूचना का अधिकार अधिनियम की जानकारी दी। सामाजिक कार्यकर्ता अमोल मेश्राम ने बाल विवाह-2025, आशा जागरूकता समर्थन, सहायता और कार्यवाही एसओपी के बारे में जानकारी दी। इस दौरान वरकुंड ग्राम पंचायत सरपंच डॉ. विजय पटेल ने उपस्थित लोगों को कानूनी जागरूकता शिविर में दी गई जानकारी का लाभ उठाने का आह्वान किया। साथ ही वरकुंड पंचायत में कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित करने के लिए राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण दमण एवं वकील मंडल का आभार जताया। इस अवसर पर वरकुंड ग्राम पंचायत के नागरिक उपस्थित रहे।

असली आज़ादी

590 करोड़ के बैंक घोटाले में दो प्रमुख आरोपित गिरफ्तार

पंचकूला (एजेंसी)। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने 590 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले में दो प्रमुख आरोपित रिभव ऋषि और अभय कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट से 7 दिन का रिमांड मांगा था, लेकिन 6 मार्च तक रिमांड मंजूर हुआ। जांच में अब तक कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पुलिस के कब्जे में लिए जा चुके हैं। अधिकारियों का कहना है कि सरकारी धन को फर्जी कंपनियों और बैंक खातों के जरिए कई परतों में ट्रांसफर किया गया, जिससे सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ। जांच में सामने आया कि आरोपितों ने स्वास्तिक, कैप को फिनटेक और एसआरआर प्लानिंग जैसी शेल कंपनियों का उपयोग किया। पहली परत में इन कंपनियों के कई बैंक खाते सामने आए, जबकि दूसरी परत में सैकड़ों अन्य खातों का नेटवर्क उजागर हुआ। पुलिस और एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम इस घोटाले की गहन जांच कर रही है। दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसों की जांच से और भी लिंक और पैसों के ट्रांसफर का रास्ता सामने आने की संभावना है।

गैलन में पेट्रोल-डीजल भरवाकर रख रहे लोग, यूपी में तेल खत्म होने की अफवाह

बाराबंकी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में पेट्रोल और डीजल को लेकर अफवाहों ने लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित कर दी है। लखीमपुर खीरी और बाराबंकी में पेट्रोल पंपों पर अचानक लंबी कतारें लग गई हैं, लोग गाड़ियों के साथ-साथ ड्रम, कैन और गैलन लेकर तेल भरने पहुंचे। यह स्थिति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इज़राइल और ईरान के बीच तनाव और युद्ध की खबरों के बाद सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों के कारण उत्पन्न हुई। लोगों के बीच यह धारणा बन गई कि अगर युद्ध लंबा खिंच गया, तब पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जिससे दाम बढ़ सकते हैं या तेल खत्म हो सकता है। लखीमपुर खीरी में निघासन और भीरा क्षेत्र के पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ देखी गई। लोग घंटों लाइन में खड़े होकर पेट्रोल और डीजल भरवा रहे थे। सोशल मीडिया पर इन स्थितियों के वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें पंप कर्मचारियों के लिए भीड़ को नियंत्रित करना मुश्किल दिखाई दे रहा है। पंपों पर लोगों के बीच जल्द तेल भरवाने की होड़ और धूप में लंबी कतारें स्पष्ट रूप से डर और बेचैनी को दिखा रही हैं। बाराबंकी में भी स्थिति अलग नहीं थी। श्री विष्णु नारायण फिलिंग सेंटर, आजगना, सद्दीपुर थाना जहांगीराबाद और तहसील फतेहपुर स्थित नेशनल ट्रेडिंग कंपनी पेट्रोल पंप पर किसानों और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। किसानों ने खेती के मौसमी काम के लिए डीजल जरूरी बताया और इसे लेकर वे अधिक मात्रा में तेल जमा कर रहे हैं। कई किसानों ने कहा कि लाइन में डेढ़ से दो घंटे से खड़े हैं। आम लोग भी अपनी जरूरत के अनुसार पेट्रोल भरवाने आए थे, लेकिन लंबे इंतजार की वजह से परेशान हो गए। पेट्रोल पंप कर्मचारियों के लिए भी यह चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है।

ड्रग तस्कर इकबाल मेमन की मुंबई और दुबई में मौजूद 700 करोड़ की संपत्ति की कुर्की की तैयारी

मुंबई (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भगौड़े आर्थिक अपराधी अधिनियम (एफईओ) के तहत विशेष पीएमएलए अदालत में याचिका दायर कर मुंबई और दुबई में दिवंगत ड्रग तस्कर इकबाल मेमन और उनके परिवार की करीब 700 करोड़ रुपये की 15 संपत्तियों को स्थायी रूप से जब्त करने की मांग की है। याचिका में वर्ली स्थित संपत्तियां शामिल हैं, जिसमें राबिया मेंशन, मरियम लॉज और सी व्यू प्रॉपर्टीज शामिल हैं, साथ ही दुबई में करीब 15 संपत्तियां भी शामिल हैं, जिसमें बुर दुबई में होटल मिडवेस्ट अपार्टमेंट और बिजनेस बे और डीईसी टावर्स में एक दर्जन से अधिक वाणिज्यिक और आवासीय इकाइयां शामिल हैं।

केंद्रीय मंत्री शाह के हरिद्वार दौरे को लेकर तैयारियां तेज, सीएस और डीजीपी ने लिया जायजा

हरिद्वार (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के 7 मार्च को प्रस्तावित हरिद्वार भ्रमण कार्यक्रम को लेकर शासन-प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए शनिवार को मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ और गृह सचिव शैलेश बगौली सहित प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों ने बैरागी द्वीप स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कार्यक्रम की सुरक्षा से लेकर बुनियादी सुविधाओं तक की गहन समीक्षा की और संबंधित विभागों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए।

चारधाम यात्रा 2026 के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू... तीन तरीकों से घर बैठे कराएं पंजीकरण

देहरादून (एजेंसी)। (ईएमएस)। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा 2026 के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु अब घर बैठे मोबाइल, कंप्यूटर, मोबाइल एप या वॉट्सएप के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। इस बार रजिस्ट्रेशन सभी यात्रियों के लिए अनिवार्य किया गया है, ताकि प्रशासन यात्रियों की संख्या, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को सुचारू रूप से संभाल सके। इस साल यात्रा की शुरुआत 19 अप्रैल 2026 से हो रही है। यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के कपाट इसी दिन श्रद्धालुओं के लिए खुलने है। जबकि केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल और बद्रीनाथ धाम के कपाट 23 अप्रैल को खुलने है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन तीन तरीकों से होगा है। पहला, उत्तराखंड सरकार की वेबसाइट पर जाकर अकाउंट बनाना और यात्रा की जानकारी देकर रजिस्ट्रेशन स्लिप डाउनलोड करना। दूसरा, टूरिस्ट केयर उत्तराखंड मोबाइल एप के जरिए अकाउंट बनाने के बाद यात्रा विवरण भरकर यात्रा पास डाउनलोड करना। तीसरा, वॉट्सएप के माध्यम से रजिस्ट्रेशन: 8394833833 पर फ्यात्राफ्र मैसेज भेजने के बाद चैटबॉट आवश्यक जानकारी लेकर रजिस्ट्रेशन पूरा करता है। उन यात्रियों के लिए जिन्होंने इंटरनेट की सुविधा नहीं है, हरिद्वार और ऋषिकेश सहित कई प्रमुख स्थानों पर बायोमैट्रिक रजिस्ट्रेशन काउंटर लगाए जाएंगे। ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन की शुरुआत 17 अप्रैल से होगी। उत्तराखंड सरकार ने यात्रियों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर 0135-1364 भी जारी किया है। इस नंबर पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, यात्रा मार्ग, व्यवस्थाओं और अन्य जरूरी जानकारी की सहायता प्राप्त की जा सकती है।

बिहार की राजनीति में बड़ा बदलाव, नीतीश के राज्यसभा जाने के बाद भाजपा सीएम की तैयारी

-नई सरकार में जेडीयू के हो सकते हैं दो डिप्टी सीएम

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। लंबे समय तक राज्य की सत्ता के केंद्र में रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करने के बाद यह लगभग तय माना जा रहा है कि वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे। इसके साथ ही बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत होने की संभावना है, जिसमें पहली बार भारतीय जनता पार्टी का कोई नेता मुख्यमंत्री पद संभाल सकता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि लालू प्रसाद यादव के प्रभाव के बाद जिस दौर को नीतीश कुमार की राजनीति का युग माना जाता था, वह अब समाप्ति की ओर बढ़ रहा है। राज्यसभा के लिए नामांकन के बाद नीतीश कुमार के राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने की चर्चा तेज हो गई है।

वैसे अभी नीतीश कुमार के इस्तीफे और नए सीएम के बनने में समय लगना तय माना जा रहा है। जानकारी अनुसार राज्यसभा चुनाव की प्रक्रिया 16 मार्च तक चलने वाली है, जबकि नए राज्यसभा सदस्यों को 9 अप्रैल के बाद शपथ दिलाए जाने की बात कही जा रही। इस स्थिति में कहा जा रहा है कि नई सरकार के गठन में अभी करीब-करीब एक माह का समय लग सकता है। इससे पहले भाजपा और जदयू दोनों ही पार्टियां अपने-अपने विधायक दल की बैठक बुलाकर नेता का चयन कर सकते हैं, जिसके बाद एनडीए विधायक दल की बैठक में गठबंधन का नेता चुना जाएगा। इस चयन के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार औपचारिक रूप से इस्तीफा दे सकते हैं और नई सरकार बनाने का दावा पेश किया जा सकता है। भाजपा सूत्रों का तो यहां तक दावा है कि रामनवमी (26 मार्च) से पहले बिहार में नई सरकार के गठन किया जाएगा और भाजपा का ही सीनीयर नेता मुख्यमंत्री पद की शपथ लेगा। रही बात जदयू की तो उसके कोटे से दो उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की संभावना प्रवल है। नई सरकार के गठन के साथ ही इस बार पूर्ण मंत्रिमंडल का गठन भी हो सकता है। इस आंकलन के मुताबिक लगभग 32 मंत्रियों के साथ नई सरकार शपथ ले सकती है। संभावित फार्मूले के अनुसार 14 मंत्री भाजपा से, 14 जदयू से और 2 लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा से एक-एक मंत्री शामिल किए जा सकते हैं। इस बार दोनों प्रमुख दलों की ओर से कुछ नए चेहरों को भी मंत्रिमंडल में जगह मिलने की भी चर्चा आम हो गई है। हालांकि सरकार गठन से पूर्व कुछ अहम विभागों को लेकर दोनों दलों के बीच खींचतान की स्थिति बन सकती है। फिलहाल कहा जा रहा कि जदयू ने विधानसभा स्पीकर और गृह विभाग पर अपनी दावेदारी जताई है। मौजूदा समय में स्पीकर का पद भाजपा के पास है और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के पास गृह विभाग है। जदयू का तर्क है कि मुख्यमंत्री पद उनके पास होने के कारण इन पदों पर भी उनका अधिकार होना चाहिए।

दूसरी ओर भाजपा इन दोनों महत्वपूर्ण पदों को अपने पास ही बनाए रखना चाहती है। खासकर गृह विभाग 2005 के बाद पहली बार भाजपा के पास आया है। वहीं विधानसभा स्पीकर का पद भी सरकार की स्थिरता के लिए बेहद अहम माना जाता है। ऐसे में सरकार गठन से पहले इन मुद्दों पर अंतिम सहमति बनना बाकी है।

19 साल की उम्र में बनी देश की सबसे कम उम्र की महिला सीए

-राजस्थान के झुंझुनूं की है राजकुमारी जिन्होंने बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के झुंझुनूं जिले की प्रतिभाशाली छात्रा राजकुमारी पारीक ने चार्टर्ड अकाउंटेंसी की अंतिम परीक्षा पास कर देश की सबसे कम उम्र की महिला चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने महज 19 वर्ष 126 दिन की आयु में यह उपलब्धि हासिल कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। इससे पहले देश की सबसे कम उम्र की महिला सीए बनने का रिकॉर्ड मध्य प्रदेश के मुरैना की नंन्दनी अग्रवाल के नाम था, जिन्होंने करीब 19 वर्ष 330 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। राजकुमारी पारीक ने इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए नया इतिहास रच दिया है। राजकुमारी की सफलता की खास बात यह है कि उन्होंने अपनी पढ़ाई और प्रशिक्षण का अधिकांश हिस्सा अपने गृह जिले झुंझुनूं से ही पूरा किया। उनकी प्रारंभिक शिक्षा भी झुंझुनूं में ही हुई। इसके बाद उन्होंने सीए की प्रारंभिक और इंटरमीडिएट परीक्षाओं की तैयारी भी स्थानीय स्तर पर करते हुए सफलता हासिल की। चार्टर्ड अकाउंटेंसी की परीक्षा को देश की सबसे कठिन पेशेवर परीक्षाओं में से एक माना जाता है। बताया जाता है कि राजकुमारी के पिता हेमंत कुमार पारीक अरुणाचल प्रदेश में मोटर पार्ट्स के व्यवसाय से जुड़े हैं, जबकि उनकी माता सावित्री देवी गृहिणी हैं। परिवार ने हमेशा उन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित किया, जिसका परिणाम आज देश के सामने एक मिसाल के रूप में सामने आया है।

शराब घोटोले में बरी हुई कविता का ऐलान तेलंगाना में बनाएगी नई पार्टी

-कहा- केंद्र सरकार ने एजेंसियों के जरिए हमें विच हंट का शिकार बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत राष्ट्र समिति की पूर्व सदस्य और के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता तेलंगाना में एक नई पार्टी बनाने जा रही हैं। कविता ने यह एलान तब किया, जब दिल्ली की एक कोर्ट ने उन्हें और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल समेत 23 लोगों को दिल्ली शराब घोटाले के मामले में बरी कर दिया था। बरी होने के बाद कविता तिरुमाला में तिरुपति बालाजी मंदिर गईं। कविता ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भगवान बालाजी के आशीर्वाद से हम जल्द ही तेलंगाना राज्य में एक पॉलिटिकल पार्टी बनाने जा रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक के कविता ने कहा कि पूरे देश ने देखा है कि कैसे हमारे साथ इस तरह का भेदभाव किया गया और कैसे केंद्र सरकार एजेंसियों के जरिए हमें इस तरह की विच हंट का शिकार बनाया जाता है। कविता ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि पूरा देश और खासकर इस देश की महिलाएं उनके साथ खड़ी होंगी। उन्हें विश्वास है कि तेलंगाना के लोग उन्हें आशीर्वाद जरुर देंगे। कविता ने बताया कि पार्टी तेलंगाना के लोगों के लिए काम करने वाली एक रीजनल पार्टी होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली शराब घोटाले के मामले के बारे में बात करते हुए के कविता ने इसे विच हंट कहा और केंद्र पर विपक्षी राजनीतिक पार्टियों को टारगेट करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जिस तरह से इस देश में राजनीतिक विच हंट हुआ है, जिस तरह से हमें सिर्फ इसलिए टारगेट किया गया क्योंकि हम एक अलग राजनीतिक पार्टी से हैं। यह इस देश में बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और न्यायपालिका ने झूठ के इस जाल को देख लिया है और हम सभी को बरी कर दिया।

राज्यपाल आनंदबोस के अचानक इस्तीफे पर भड़की ममता... शाह के दबाव में लिया

कलकत्ता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले राज्यपाल सीवी आनंदबोस के अचानक इस्तीफे ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस घटनाक्रम को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दबाव से प्रेरित बताया और राज्य के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए खतरनाक बताया। सीएम बनर्जी ने कहा कि इस्तीफे के पीछे स्पष्ट कारण सामने नहीं आए हैं, लेकिन यह राजनीतिक लाभ के उद्देश्य से लिया गया कदम प्रतीत होता है। उन्होंने बताया कि बोस के जाने के बाद आरएन रवि, जो तमिलनाडु के राज्यपाल और पूर्व उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार संभालने वाले है। सीवी आनंदबोस ने 17 नवंबर 2022 को राज्यपाल के रूप में कार्यभार संभाला था और उनका कार्यकाल नवंबर 2027 तक था, लेकिन उन्होंने करीब साढ़े तीन साल के बाद ही इस्तीफा दे दिया। उनके अचानक इस्तीफे ने राजनीतिक विश्लेषकों और राज्य प्रशासन को आश्चर्यचकित किया। लोक भवन के अधिकारियों ने बताया कि बोस ने दिल्ली से राष्ट्रपति को अपना त्यागपत्र भेजा। सीएम ममता बनर्जी ने इस फैसले को एकतरफा और राज्य हित के खिलाफ कदम बताकर कहा कि केंद्र को सहकारी संघवाद के सिद्धांतों का सम्मान करना चाहिए।

वहीं, भाजपा के पश्चिम बंगाल अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने सीएम ममता बनर्जी के आरोपों को बेबुनियाद बताया और कहा कि राजभवन में बदलाव सामान्य प्रक्रिया है और बोस ने स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दिया। इस घटनाक्रम का समय भी संवेदनशील है क्योंकि जल्द ही निर्वाचन आयोग पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर सकता है।

बता दें कि आनंदबोस ने अपने कार्यकाल के दौरान कई बार राज्य सरकार की नीतियों की आलोचना की और तृणमूल कांग्रेस के साथ उनके टकराव के मामले सामने आए। उनका इस्तीफा उनके पूर्ववर्ती जगदीप धनखड़ के अचानक पद छोड़ने की याद दिलाता है, जिन्होंने 2022 में उपराष्ट्रपति चुने जाने के कारण राज्यपाल पद छोड़ा था। इस इस्तीफे ने राज्य और केंद्र सरकार के बीच राजनीतिक गतिशीलता को बढ़ा दिया है और चुनाव से पहले सियासी माहौल को और गरम कर दिया है। कुल मिलाकर, बंगाल में राज्यपाल के इस्तीफे को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है, और इसे आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर महत्वपूर्ण घटना माना जा रहा है।

दिल्ली में बैठकर बोले ट्रंप के मंत्री- हम चीन की तरह भारत को नहीं देंगे आर्थिक फायदे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के प्रमुख भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक सम्मेलन रायसीना डायलॉग को संबोधित करते हुए क्रिस्टोफर लैंडौ ने कहा कि अमेरिका भारत की असीमित संभावनाओं को साकार करने के लिए उसके साथ काम करना चाहता है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत को यह समझना होगा कि अमेरिका पुरानी गलतियों से सीख चुका है। उन्होंने कहा- हम भारत के साथ वह गलती नहीं दोहराने जा रहे हैं, जो हमने 20 साल पहले चीन के साथ की थी। चीन इन्हीं छूटों का फायदा उठाकर आज अमेरिका का एक बड़ा प्रतिद्वंद्वी बन गया है।

क्रिस्टोफर लैंडौ ने कहा, हम उस व्यापार समझौते को लेकर उत्साहित हैं जो अब लगभग अंतिम चरण में है, और मुझे लगता है कि यह वास्तव में असीमित संभावनाओं के द्वार खोलने का आधार बन सकता है। हम भारत और इन आर्थिक व वाणिज्यिक अवसरों पर ध्यान केंद्रित करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। लेकिन भारत को यह समझना चाहिए कि हम भारत के साथ वो गलतियां नहीं दोहराने जा रहे हैं जो हमने 20 साल पहले चीन के साथ यह कहकर की थीं कि, आप इन सभी बाजारों को विकसित कर सकेंगे, और फिर बाद में हम देखते हैं कि आप हमें ही कई व्यावसायिक मोर्चों पर पछाड़ रहे हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हम जो कुछ भी करें वह हमारे लोगों के लिए निष्पक्ष हो, क्योंकि अंततः हमें अपने नागरिकों के प्रति जवाबदेह होना है, ठीक वैसे ही जैसे भारत सरकार की जवाबदेही अपने नागरिकों के प्रति है।

भारत ने मध्य पूर्व के इस बढ़ते विवाद में किसी भी पक्ष का समर्थन करने से बचते हुए पूरी तरह से तटस्थ रुख अपनाया है। इस बीच, भारत और अमेरिका के बीच उस व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा रहा है, जिस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यभार संभालने के समय से ही बातचीत चल रही है। बता दें कि कई दौर की सकारात्मक बातचीत के बाद, वाशिंगटन ने पिछले महीने भारतीय सामानों पर टैरिफ (आयात शुल्क) को 50 से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है।

मौजूदा समय में जब अमेरिका भू-राजनीतिक वार्ताओं में टैरिफ का इस्तेमाल एक हथियार के तौर पर कर रहा है, तब भारत अन्य देशों की तरह अपनी आर्थिक वृद्धि को संतुलित करने का प्रयास कर रहा है। भारत एक व्यापारिक भागीदार के रूप में केवल अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम करने और अपने व्यापार में विविधता लाने की कोशिश कर रहा है। इसी रणनीति के तहत, भारत ने कई अन्य देशों के साथ-साथ यूरोपीय संघ के साथ भी एक अहम व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। मध्य पूर्व में चल रहे तनाव के कारण ईंधन की आपूर्ति और भंडारण पर मंडरा रहे खतरे के बीच, अमेरिका ने मदद का हाथ बढ़ाया है। लैंडौ ने कहा कि अमेरिका भारत की अल्पकालिक और दीर्घकालिक ऊर्जा चुनौतियों से निपटने के लिए साथ मिलकर काम करने को तैयार है।

प्रियंका चतुर्वेदी को लेकर आदित्य और संजय राउत में अनबन... खबरों पर राउत ने खुद दी सफाई

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र से शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी का राज्यसभा का टिकट कट गया है, उनके स्थान पर शरद पवार को उद्धव सेना, कांग्रेस और एनसीपी-एसपी के तिकड़ी के समर्थन से उतारा गया है। इस फैसले को लेकर शिवसेना यूबीटी के भीतर मतभेद की चर्चा जोरों पर थी, जिसमें खासकर आदित्य ठाकरे और संजय राउत का रुख अलग-अलग बताया जा रहा था। कुछ मीडिया रिपोर्टों बताया गया हैं कि आदित्य चाहते थे कि प्रियंका चतुर्वेदी को फिर से मौका मिले, लेकिन अंत में संजय राउत की ही मंशा चली और शरद पवार को राज्यसभा भेजा गया। इन बातों को लेकर यह चर्चा भी उठी कि राउत ने आदित्य के इरादों पर भारी पड़ते हुए शरद पवार को कमिटमेंट दे दी, जिस वजह से प्रियंका का नाम पीछे रह गया।

अब संजय राउत ने खुद इन कयासों को लेकर सफाई दी है। उन्होंने कहा है कि असल वजह पार्टी के राजनीतिक समीकरण थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि उद्धव सेना के भीतर यह इच्छा ज़रूर थी कि प्रियंका चतुर्वेदी को दूसरा मौका मिले, लेकिन जरुरी वोटिंग नंबर नहीं थे और साथ ही पवार जैसे अनुभवी नेता ने स्वयं दावा कर दिया। इसलिए पार्टी को पवार का नाम समर्थन करना पड़ा। राउत ने कहा कि यदि समीकरण अनुकूल होते और पवार जैसे सीनियर नेता राज्यसभा जाने को ना चाहते, तब प्रियंका को 100 प्रतिशत मौका मिलता।

राउत का कहना है कि उद्धव सेना के अंदर प्रियंका को फिर से भेजने की इच्छा काफी प्रबल थी, लेकिन पार्टी के पास खुद के दम पर संख्या नहीं थी। जब शरद पवार ने दावेदारी पेश की, तब प्रियंका के लिए मुकाबला करना मुश्किल हो गया।

राज्यसभा की इस दौड़ में महाराष्ट्र में कुल 7 सीटें खाली हो रही हैं, जिसमें से 6 पर एनडीए उम्मीदवारों का मजबूत संभावित जीत है। विपक्ष की एकमात्र संभावित जीत की सीट पर शरद पवार को उतारा है। वहीं भाजपा ने रामदास आठवले और विनोद तावड़े जैसे वरिष्ठ नेताओं को भी राज्यसभा का मौका दिया है। संजय राउत ने कहा कि आठवले का टिकट पहले से तय-सा लगता था, और विनोद तावड़े को राज्यसभा भेजना भी संगठन में उनके लंबे सेवा और योगदान का प्रतिफल माना जा रहा है।

अदालत के आदेशों का पालन न करना, आजकल फैशन बन गया... सुप्रीम कोर्ट ने जाहिर की नाराजगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अदालत के आदेशों का पालन न करने और अवमानना याचिका दायर होने पर देरी से अपील दाखिल करने की प्रवृत्ति पर कड़ी नाराजगी जता दी है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि यदि इसतरह के मामलों में सख्ती नहीं दिखाई गई, तब न्यायपालिका में लोगों का भरोसा कमजोर पड़ सकता है। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल?ला और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि हाल के वर्षों में देखने में आया हैं कि अदालत के आदेशों का लंबे समय तक पालन नहीं होता और जब अवमानना याचिका दायर होती है, तब उसके बाद काफी देरी के साथ अपील या पुनर्विचार याचिका दाखिल होती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि अपील में देरी अपवाद होनी चाहिए, लेकिन अब यह करीब-करीब नियम बनती जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि इस तरह की प्रवृत्ति को स्वीकार नहीं कर सकते है। शीर्ष अदालत के अनुसार, जब कोई पक्ष जानबूझकर अदालत के आदेशों का पालन नहीं करता, इस आचरण से न्यायपालिका की गरिमा और कानून के शासन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस तरह के मामलों में यह आचरण कई बार आपराधिक अवमानना की सीमा तक पहुंच सकता है। अदालत ने कहा कि यदि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट इन मामलों में दृढ़ता नहीं दिखाते, तब देश के आम नागरिकों का न्यायपालिका में अटूट विश्वास कमजोर पड़ सकता है।

अदालत के अनुसार, आदेश की जानकारी होने के बावजूद यदि कोई पक्ष जानबूझकर उस आदेश का पालन नहीं करता, तब वहां अवमानना के दायरे में आएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अवमानना की कार्यवाही केवल अदालत में पक्षकार रहे व्यक्तियों तक सीमित नहीं होगी।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी छत?तीसगढ़ सरकार के अधिकारियों के खिलाफ दायर अवमानना याचिका की सुनवाई के दौरान की। मामला कर्मचारियों की सेवाओं के नियमितीकरण से जुड़े आदेश के पालन न करने से जुड़ा था। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के अधिकारियों को आदेश लागू करने के लिए अंतिम मौका देकर 15 दिन का समय दिया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कृषि और ग्रामीण परिवर्तन पर बजट बाद वेबिनार को संबोधित किया

इस वर्ष के केंद्रीय बजट ने कृषि और ग्रामीण परिवर्तन को नई दिशा प्रदान की है: पीएम मोदी

■ सरकार ने कृषि क्षेत्र को लगातार मजबूत किया है, प्रमुख प्रयासों से किसानों के जोखिम कम हुए हैं और उन्हें बुनियादी आर्थिक सुरक्षा मिली है: पीएम मोदी ■ यदि हम उच्च मूल्य वाली कृषि को बढ़ावा दें, तो यह कृषि को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में बदल देगा: प्रधानमंत्री ■ निर्यात-उन्मुख उत्पादन बढ़ने से प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजित होगा: पीएम मोदी मत्स्य पालन ग्रामीण समृद्धि के लिए एक उच्च मूल्य और उच्च प्रभाव वाला क्षेत्र और निर्यात वृद्धि का एक प्रमुख आधार बन सकता है: प्रधानमंत्री ■ सरकार एग्रीस्टैक के माध्यम से कृषि के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना विकसित कर रही है: पीएम मोदी ■ प्रौद्योगिकी तभी परिणाम देती है जब सिस्टम इसे अपनाएं हैं, संस्थान इसे एकीकृत करें हैं और उद्यमी इस पर नवाचार करें: पीएम मोदी

नई दिल्ली, (पीआईबी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज बजट के बाद आयोजित तीसरे वेबिनार को संबोधित किया। इस वेबिनार का मुख्य विषय 'कृषि और ग्रामीण परिवर्तन' था। प्रौद्योगिकी और आर्थिक विकास से संबंधित पिछले सत्रों को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बजट तैयार करने के दौरान हितधारकों ने बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया। श्री मोदी ने कहा कि अब बजट के बाद, यह उतना ही महत्वपूर्ण है कि देश अपनी पूरी क्षमता का लाभ उठाए और इस दिशा में आपके सुझाव और यह वेबिनार इसलिए महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार और देश के दीर्घकालिक विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। श्री मोदी ने 'पीएम किसान सम्मान निधि' और 'न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी)' जैसे कई कार्यक्रमों पर बल दिया, जिनसे किसानों को डेढ़ गुना लाभ मिल रहा है। श्री मोदी ने कहा कि सरकार ने कृषि क्षेत्र को लगातार मजबूत किया है। मौजूदा योजनाओं की सफलता के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि 10 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्राप्त हुई है और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत लगभग 2 लाख करोड़ रुपए के बीमा दावों का निपटारा किया गया है। श्री मोदी ने यह भी कहा कि संस्थागत ऋण कवरेज 75 प्रतिशत से अधिक हो गया है। श्री मोदी ने कहा कि इन अनेक प्रयासों से किसानों के जोखिम कम हुए हैं और उन्हें बुनियादी आर्थिक सुरक्षा मिली है। खाद्यान्न और दालों के रिकॉर्ड उत्पादन पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने 21वीं सदी की दूसरी तिमाही की शुरुआत के साथ ही इस क्षेत्र में नई ऊर्जा डालने का आ''ान किया। इस वर्ष के केंद्रीय बजट में इस दिशा में किए गए नए प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए, श्री मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि वेबिनार की चर्चाओं से बजट प्रावधानों के कार्यान्वयन में तेजी आएगी। श्री मोदी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस वेबिनार में हुई चर्चा और उससे प्राप्त सुझाव जमीनी स्तर पर बजट प्रावधानों को यथाशीघ्र लागू करने में सहायक साबित होंगे। प्रधानमंत्री ने वैश्विक मांग में हो रहे बदलावों और भारतीय कृषि को निर्यात-उन्मुख बनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने उत्पादकता और निर्यात क्षमता बढ़ाने के लिए भारत की विविध जलवायु का पूर्ण उपयोग करने का आग्रह किया। श्री मोदी ने कहा कि इस वेबिनार में, हमारी कृषि को निर्यात-उन्मुख बनाने पर अधिकतम चर्चा करना आवश्यक है। उच्च मूल्य वाली कृषि पर ध्यान केंद्रित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कोको, काजू और चंदन जैसी फसलों के क्षेत्र-विशिष्ट संवर्धन के लिए बजट प्रस्तावों का विस्तृत विवरण दिया। श्री मोदी ने पूर्वोत्तर में अगरवुड और हिमालयी राज्यों में शीतोष्ण मेवों की फसलों को बढ़ावा देने के बजट प्रस्ताव पर भी प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने कहा कि निर्यात उन्मुख उत्पादन से प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन के माध्यम से ग्रामीण रोजगार सृजित होगा। श्री मोदी ने कहा कि यदि हम सब मिलकर उच्च मूल्य वाली कृषि का विस्तार करें, तो यह कृषि को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में बदल देगा।

प्रधानमंत्री ने वैश्विक ब्रांडिंग और गुणवत्ता मानकों को पूरा करने के लिए विशेषज्ञों, उद्योग जगत और किसानों को शामिल करते हुए एक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने का आ''ान किया। उन्होंने स्थानीय किसानों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने के महत्व पर बल दिया। श्री मोदी ने कहा कि इन सभी विषयों पर चर्चा से इस वेबिनार का महत्व और भी बढ़ जाएगा। मत्स्य पालन क्षेत्र का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है। श्री मोदी ने आगे बताया कि हमारे विभिन्न जलाशयों और तालाबों में वर्तमान में लगभग 4.5 लाख टन मछली का उत्पादन हो रहा है, जबकि अतिरिक्त 20 लाख टन उत्पादन की अपार संभावना है। श्री मोदी ने कहा कि मत्स्य पालन, निर्यात वृद्धि का एक प्रमुख आधार बन सकता है। प्रधानमंत्री ने समुद्री अर्थव्यवस्था की क्षमता को साकार करने के लिए हैचरी, चारा और लॉजिस्टिक्स में नए व्यावसायिक मॉडलों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने मत्स्य पालन विभाग और स्थानीय समुदायों के बीच मजबूत तालमेल को प्रोत्साहित किया। श्री मोदी ने कहा कि यह ग्रामीण समृद्धि के लिए एक उच्च मूल्य और उच्च प्रभाव वाला क्षेत्र बन सकता है और लोगों को इस पर मिलकर विचार-विमर्श करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है और अंडा उत्पादन में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि इसे और आगे ले जाने के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रजनन, रोग निवारण और वैज्ञानिक प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है। श्री मोदी ने आगे कहा कि पशुधन का स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण विषय है और जब वह 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' की बात करते हैं तो इसमें पशुधन का स्वास्थ्य भी शामिल है। वैक्सीन उत्पादन के मामले में देश की आत्मनिर्भरता का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत प्रौद्योगिकी के विस्तार और पशुपालन करने वाले किसानों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड की उपलब्धता का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने बताया कि पशुओं को मुंहपका-खुरपका बीमारी से बचाने के लिए 125 करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए पशुपालन अवसंरचना विकास कोष भी शुरू किया गया है। जोखिमों को कम करने के लिए, प्रधानमंत्री ने एकल फसल पर निर्भरता के बजाय फसल विविधीकरण की वकालत की। उन्होंने खाद्य तेल, दालों और प्राकृतिक खेती के लिए चलाए जा रहे अभियानों को इस क्षेत्र की मजबूती बढ़ाने के साधन के रूप में बताया। श्री मोदी ने कहा कि इसलिए, सरकार फसल विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। प्रधानमंत्री ने प्रतिभागियों को याद दिलाया कि चूंकि कृषि राज्य का विषय है, इसलिए राज्यों को अपने बजटीय दायित्वों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकतम प्रभाव के लिए जिला स्तर पर बजट प्रावधानों को मजबूत करने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने कृषि में ₹प्रौद्योगिकी संस्कृति₹ पर विस्तार से बात करते हुए ई-एनएएम और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के विकास का जिक्र किया। उन्होंने किसान पहचान पत्र और डिजिटल भूमि सर्वेक्षण को क्रांतिकारी कदम बताया। श्री मोदी ने कहा कि सरकार कृषि में 'प्रौद्योगिकी संस्कृति' लाने पर विशेष जोर देती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्लेटफार्मों और डिजिटल सर्वेक्षणों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी तभी परिणाम देती है जब संस्थानों और उद्यमियों द्वारा इसे अपनाया जाता है। उन्होंने प्रौद्योगिकी को पारंपरिक प्रणालियों के साथ प्रभावी ढंग से एकीकृत करने के तरीकों पर सुझाव आमंत्रित किए। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वेबिनार से प्राप्त सुझाव प्रौद्योगिकी को सही ढंग से एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

प्रधानमंत्री ने पीएम आवास योजना और पीएम ग्राम सड़क योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण समृद्धि के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर स्वयं सहायता समूहों के प्रभाव का उल्लेख किया। श्री मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ग्रामीण समृद्धि के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। 'लखपति दीदी' अभियान पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने 2029 तक 3 करोड़ और सफल महिला उद्यमियों को तैयार करने का लक्ष्य रखा। उन्होंने इस लक्ष्य को और अधिक तेजी से हासिल करने के लिए सुझाव मांगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस लक्ष्य को और भी तेजी से हासिल करने के लिए लोगों के सुझाव महत्वपूर्ण होंगे।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के समापन में, व्यापक भंडारण अभियान और कृषि-वित्तीय प्रौद्योगिकी तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं में नवाचार की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने उद्यमियों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने अंत में कहा कि उन्हें विश्वास है कि आज की इन चर्चाओं से प्राप्त होने वाले सकारात्मक परिणाम ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे।

रायसीना डायलॉग में भारत और स्विट्जरलैंड की आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

नई दिल्ली (ईएमएस)। नई दिल्ली में आयोजित 11वें रायसीना डायलॉग के दौरान विदेश मंत्रालय में पश्चिम मामलों के सचिव सिबी जॉर्ज ने स्विट्जरलैंड के विदेश मंत्री एलेक्जेंडर फासेल से मुलाकात की। इस बैठक में अलग-अलग सेक्टर में आपसी सहयोग को मजबूत करने पर फोकस किया गया। बैठक के दौरान जॉर्ज और फासेल ने क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बैठक के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, ''पश्चिम मामलों के सचिव राजदूत सिबी जॉर्ज ने आज नई दिल्ली में 11वें रायसीना डायलॉग के दौरान स्विट्जरलैंड के विदेश मामलों के राज्य सचिव एलेक्जेंडर फासेल से मुलाकात की। विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा हुई और क्षेत्रीय तथा वैश्विक विकासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। भारत-ईएफटीए व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) के कार्यान्वयन से तकनीकी सहयोग बढ़ेगा, गुणवत्तापूर्ण निवेश आएगा और रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

CHANGE OF NAME

IT IS FOR GENERAL INFORMATION THAT I FATESINGH GOVINDBHAI PATEL S/O PATEL VAIBHAV FATESING R/O HOUSE NO.859, NEAR PRATHMIK SHALA, BORIGAM, DISTRICT VALSAD.396235. DECLARE THAT NAME OF MINE AND MY MINOR SON NAME PATEL VAIBHAV FATESING AND MY NAME FATESING GOVINDBHAI PATEL IS WHICH IS TRUE STATEMENT
I FURTHER STATE THAT NAMED SUCH AS PATEL VAIBHAV FATESINGH AND PATEL VAIBHAV FATESING IS WELL AS FATESINGH GOVINDBHAI PATEL AND FATESING GOVINDBHAI PATEL ARE BOTH ONE AND THE SAME PERSONS.

हत्या कर हमलावर ने हैवानियत को किया पार, इंसानी भेजा खाकर पिया खून

दमोह (ईएमएस)। मध्यप्रदेश के दमोह जिले में इंसानियत को शर्मसार करने वाली खौफनाक वारदात सामने आई है। यहां एक युवक की बेरहमी से हत्या की गई और आरोप है कि हमलावर ने हत्या के बाद ऐसी हैवानियत दिखाई कि आसपास मौजूद लोग सिहर उठे। दर्दनाक घटना के वीडियो सामने आने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है।यहां युवक की वीभत्स हत्या के बाद आरोपी द्वारा उसका मांस खाने और खून पीने जैसी चीज सामने आई है। आरोपी बीच सड़क हथौड़े के वार से मर चुके युवक का भेजा खाता और खून पीता दिखा। कॉलोनी के कई लोगों ने आरोपी युवक को ऐसा करते देखा और कैमरे मे कैद कर लिया। मामला अर्थखेड़ा गांव का रहने वाला युवक भरत विश्वकर्मा अपनी बहन के घर बाइक से जा रहा था। वह बहन के घर के सामने पहुंचा ही था कि एक शख्स ने उसके सिर पर हथौड़े से वार किया जिससे भरत जमीन पर गिर गया। इसके बाद आरोपी ने रॉड से उसके ऊपर कई वार किए। इतना ही नहीं, उसकी हैवानियत की हद, तब तब पार हो गई जब वह मृतक युवक का मांस खाने और खून पीने लगा। ये सब कुछ आसपास के लोग अपनी बालकनियों से देख रहे थे और कई लोगों ने इस हैवानियत को मोबाइल कैमरे में कैद भी कर लिया। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन हत्यारे को पकड़ने की किसी की हिम्मत नहीं हो रही थी। लोगों ने चारों तरफ से घेरा और फिर बड़ी मुश्किल से आरोपी गिरफ्त में आया। भरत को दमोह के जिला अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर्स ने मृत घोषित किया है। आरोपी और मृतक युवक के बीच कोई विवाद या दुश्मनी नहीं है। बताया जा रहा है कि आरोपी साइको है और सनक में इतनी खौफनाक वारदात को अंजाम दिया है।

वैश्विक प्लैटिनम बाजार में आपूर्ति की कमी का दौर 2026 में भी जारी रहेगा

मुंबई,(ईएमएस)। वैश्विक प्लैटिनम बाजार में आपूर्ति की कमी का दौर 2026 में भी जारी रहेगा। हालांकि इस वर्ष कमी का स्तर पिछले वर्ष की तुलना में काफी कम रहने का अनुमान है। वर्ल्ड प्लैटिनम इन्वेस्टमेंट काउंसिल (डब्ल्यूपीआईसी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार प्लैटिनम बाजार में 2026 में लगातार चौथे वर्ष भी घाटा रहेगा, लेकिन यह करीब 75 प्रतिशत तक घटकर करीब 0.24 मिलियन औंस तक रह सकता है। डब्ल्यूपीआईसी की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में प्लैटिनम की कमी एक मिलियन औंस से अधिक रही, जो तीसरी तिमाही के अंत में अनुमानित 0.69 मिलियन औंस से कहीं ज्यादा थी। हालांकि 2026 में ऊंची कीमतों के कारण मांग में कमी आने से बाजार में घाटा कम होने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक 2026 में प्लैटिनम की कुल मांग करीब 8 प्रतिशत घटकर 7.6 मिलियन औंस के आसपास रहने का अनुमान है, जो चार वर्षों का न्यूनतम स्तर होगा। इसके बावजूद आपूर्ति में वृद्धि के बाद भी बाजार में हल्का घाटा बना रहेगा, जो कुल मांग का करीब 3 प्रतिशत होगा। प्लैटिनम की कीमतों में बीते एक वर्ष में तेज उछाल देखा गया है। वर्तमान में यह कीमती धातु लगभग 2,154 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार कर रही है। पिछले साल की तुलना में इसकी कीमतों में 120 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि इस वर्ष की शुरुआत से अब तक लगभग 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो चुकी है। आपूर्ति के मोर्चे पर 2026 में प्लैटिनम उत्पादन में लगभग 2 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है, जिससे कुल आपूर्ति 7.37 मिलियन औंस तक पहुंच सकती है। यह वृद्धि मुख्य रूप से रीसाइक्लिंग से आने की संभावना है, क्योंकि ऊंची कीमतों के कारण पुनर्चक्रण गतिविधियां तेज हो जाती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऑटोमोबाइल और औद्योगिक क्षेत्रों की मांग पर ऊंची कीमतों का अधिक प्रभाव नहीं पड़ेगा। ऑटोमोबाइल क्षेत्र की मांग में लगभग 3 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान है, जिसका कारण कैटलिस्ट युक्त वाहनों के उत्पादन में लगभग 0.9 मिलियन यूनिट की कमी है। वहीं औद्योगिक मांग 2025 के निचले स्तर से उबरते हुए करीब 11 प्रतिशत बढ़ सकती है। दूसरी ओर, ऊंची कीमतों का सबसे ज्यादा असर आभूषण क्षेत्र पर पड़ने की आशंका है। प्लैटिनम ज्वेलरी की मांग में लगभग 12 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान है, जिसमें चीन में सबसे अधिक 37 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हो सकती है।

नीतीश कुमार का दिल्ली दरबार में दस्तक - बिहार की राजनीति में नई करवट

बिनोद कुमार सिंह

समग्र रूप से देखा जाए तो नीतीश कुमार का राज्यसभा की ओर बढ़ना बिहार की राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। लगभग पाँच दशक की सक्रिय राजनीति और दो दशकों की सत्ता के बाद उनका यह निर्णय एक नए राजनीतिक युग की शुरूआत का संकेत देता है।यह परिवर्तन बिहार की राजनीति को किस दिशा में ले जाएगा, यह आने वाला समय तय करेगा। इतना निश्चित है कि बिहार की राजनीति अब एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रही है;जहाँ पुराने अनुभव और नए नेतृत्व के बीच संतुलन स्थापित करना सबसे बड़ी चुनौती होगा।

भारतीय राजनीति में कुछ घटनाएँ केवल सत्ता परिवर्तन की खबर नहीं होतीं,बल्कि वे एक पूरे दौर के अंत और एक नए अध्याय की शुरूआत का संकेत देती हैं।बिहार के मुख्य मंत्री नीतीश कुमार का राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करना भी ऐसी ही एक घटनाक्रमः है,जिसने बिहार की राजनीति पर पैनी पकड वालें राजनीतिक पंडिलों में हलचल पैदा कर दी है।लगभग दो दशकों से बिहार की सत्ता के केंद्र में रहे एक नेता का सक्रिय प्रशासनिक राजनीति से संसद भवन की ओर बढ़ना केवल एक व्यक्तिगत राजनीतिक निर्णय नहीं है,बल्कि यह बिहार की राजनीति ,सत्ता संरचना,गठबंधन राजनीति और राष्ट्रीय रणनीति से जुड़ा एक बड़ा राजनीतिक संकेत भी है।नीतीश कुमार लंबे समय से बिहार की राजनीति का पर्याय रहे हैं। लगभग पाँच दशकों से अधिक का उनका राजनीतिक जीवन भारतीय लोकतंत्र की अनेक परतों को अपने भीतर समेटे हुए है।उनका जन्म 1 मार्च 1951 को बिहार के नालंदा जिले के बख्तियारपुर में हुआ। इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने राजनीति को अपना जीवन मार्ग बनाया।छात्र जीवन से ही वे राजनीति और समाजवादी विचारधारा से प्रेरित होकर उन्होंने लोकनायक जयप्रकाश नारायण के आंदोलन से अपनी सक्रिय राजनीतिक यात्रा शुरू की।1974 के जेपी आंदोलन ने उनके राजनीतिक व्यक्तित्व को दिशा दी और यही आंदोलन आगे चलकर उन्हें बिहार की मुख्यधारा की राजनीति में स्थापित करने का आधार बना। सर्व विदित रहें कि

नीतीश कुमार पहली बार वर्ष 1985 में बिहार विधानसभा के लिए चुने गए।इसके बाद उनका राजनीतिक कद धीरे-धीरे बढ़ता गया।वर्ष 1989 में वे पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए और संसद में उनकी सक्रियता ने उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में पहचान दिलाई। 1990 के दशक में वे केंद्र की राजनीति में एक प्रभावशाली नेता के रूप में उभरे और कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार में उन्होंने रेल मंत्री, कृषि मंत्री और सतही परिवहन मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया।रेल मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल विशेष रूप से उल्लेख नीय रहा।वर्ष 1998 और 1999 के बीच तथा बाद में 2001 में उन्होंने रेल मंत्रालय का दायित्व संभाला। इसी दौरान बिहार के गयसाल रेल दुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने इस्तीफा देकर भारतीय राजनीति में एक अलग उदाहरण प्रस्तुत किया।यह कदम उनकी राजनीतिक

शैली और जवाबदेही की भावना का प्रतीक माना गया।

बिहार की राजनीति में उनका निर्णायक उदय वर्ष 2005 में हुआ जब उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन कर राज्य में सरकार बनाई।उस समय बिहार लंबे समय से राजनीतिक अस्थिरता और प्रशासनिक चुनौतियों से जूझ रहा था।नीतीश कुमार ने 'सुशासन' और विकास के एजेंडे के साथ सत्ता संभाली और राज्य की छवि बदलने का प्रयास किया।सड़कों के निर्माण,विद्यालयों में छात्राओं के लिए साइकिल योजना,महिला सशक्तिकरण और कानून व्यवस्था में सुधार जैसे कदमों ने उन्हें एक विकासवादी नेता की पहचान दी।

नीतीश कुमार का मुख्यमंत्री के रूप में राजनीतिक सफर भी अपने आप में एक रिकॉर्ड है।वे बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेताओं में शामिल हैं। वर्ष 2000 में वे पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री बने, हालांकि उस समय वे बहुमत साबित नहीं कर पाए और उनका कार्यकाल केवल कुछ दिनों का रहा। इसके बाद वर्ष 2005 में वे पुनः मुख्यमंत्री बने और तब से लेकर अब तक वे लगभग लगातार बिहार की सत्ता के केंद्र में बने रहे। 2005, 2010, 2015, 2020 और 2024 के बाद के राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच वे कुल मिलाकर दस बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं।इस प्रकार लगभग बीस वर्षों से अधिक समय तक उन्होंने बिहार की राजनीति को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया है।

उनकी राजनीतिक यात्रा में कई उतार-चढ़ाव भी आए।उन्होंने समय-समय पर गठबंधन बदले और राजनीतिक समीकरणों को नए सिरे से गढ़ा।कभी वे भाजपा के साथ रहे,कभी राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के साथ महागठबंधन में शामिल हुए, लैकिन फिर दोबारा एनडीए के साथ लौट आए।यही कारण है कि उन्हें भारतीय राजनीति का एक अत्यंत व्यावहारिक और रणनीतिक नेता माना जाता है।अब जब उन्होंने राज्यसभा जाने का निर्णय लिया है,तो यह बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरूआत का संकेत माना जा रहा है।दो दशकों से अधिक समय तक राज्य की सत्ता के केंद्र में रहने के बाद उनका संसद की ओर बढ़ना केवल पद परिवर्तन नहीं बल्कि राजनीतिक भूमिका के विस्तार के रूप में भी देखा जा सकता है। उनके अनुसार संसदीय जीवन की शुरूआत से ही उनकी इच्छा थी कि वे संसद के दोनों सदनों के सदस्य बनें। इसी क्रम में अब वे राज्यसभा के माध्यम से राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाना चाहते हैं।इस निर्णय के साथ ही बिहार की राजनीति में कई सवाल खड़े हो गए हैं।सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी अब किसके हाथ में जाएगी। पिछले बीस वर्षों में बिहार की राजनीति का एक स्थायी तथ्य यह रहा है कि गठबंधन चाहे जो भी हो, मुख्यमंत्री की कुर्सी पर अक्सर नीतीश कुमार ही दिखाई देते थे।ऐसे में उनके राज्यसभा जाने से सत्ता का नया समीकरण बनना लगभग तय माना जा रहा है।इस पूरे घटनाक्रम का राष्ट्रीय राजनीति से भी गहरा संबंध है।उनके नामांकन के समय केंद्रीय गृह मंत्री का पटना पहुँचना इस बात का संकेत माना जा रहा है कि यह निर्णय केवल राज्य की राजनीति तक सीमित नहीं है। संभव है कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अधिक सक्रिय भूमिका देने की रणनीति के तहत यह कदम उठाया गया हो। संसद में उनकी उपस्थिति एनडीए के लिए एक अनुभवी और संतुलित नेतृत्व का प्रतीक बन सकती है।

विपक्षी दलों ने इस निर्णय पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल ने इसे जनता के जनादेश के साथ विश्वासघात बताया है।उनका तर्क है कि यदि जनता ने किसी नेता को मुख्यमंत्री के रूप में चुना है और वह अचानक राज्यसभा की ओर चला जाता है तो यह लोकतांत्रिक भावना के विपरीत है।वही दूसरी ओर एनडीए के नेता इसे नीतीश कुमार का व्यक्तिगत और स्वाभाविक निर्णय बता रहे हैं।राजनीतिक विश्लेषण की दृष्टि से देखा जाए तो इस निर्णय के कई संभावित परिणाम हो सकते हैं। यदि बिहार में नया नेतृत्व उभरता है तो राज्य की राजनीति में नई ऊर्जा और नई प्रतिस्पर्धा देखने को मिल सकती है।भाजपा और जेडीयू के बीच सत्ता संतुलन का नया समीकरण भी बन सकता है।वहीं विपक्ष इस मुद्दे को जनता के बीच एक राजनीतिक अवसर के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास करेगा।यह भी स्पष्ट है कि नीतीश कुमार का प्रभाव अचानक समाप्त होने वाला नहीं है। उनका अनुभव, उनकी राजनीतिक समझ और प्रशासनिक क्षमता अभी भी बिहार की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। संभव है कि वे राज्यसभा में रहते हुए भी बिहार की राजनीति के मार्गदर्शक बने रहें और राज्य के विकास संबंधी निर्णयों पर उनका प्रभाव बना रहे।

समग्र रूप से देखा जाए तो नीतीश कुमार का राज्यसभा की ओर बढ़ना बिहार की राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। लगभग पाँच दशक की सक्रिय राजनीति और दो दशकों की सत्ता के बाद उनका यह निर्णय एक नए राजनीतिक युग की शुरूआत का संकेत देता है।यह परिवर्तन बिहार की राजनीति को किस दिशा में ले जाएगा, यह आने वाला समय तय करेगा।इतना निश्चित है कि बिहार की राजनीति अब एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रही है;जहाँ पुराने अनुभव और नए नेतृत्व के बीच संतुलन स्थापित करना सबसे बड़ी चुनौती होगा। नीतीश कुमार का यह कदम आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति की दिशा और बिहार की सत्ता संरचना दोनों को प्रभावित कर सकता है।

संपादकीय

भारत की संप्रभुता पर अमेरिका का हमला

-अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद दिवंगत आयतुल्लाह अली खामनेई के प्रतिनिधि डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने दावा किया कि यह हमला केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेगा...

अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद दिवंगत आयतुल्लाह अली खामनेई के प्रतिनिधि डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने दावा किया कि यह हमला केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेगा, आने वाले वक्त में भारत और चीन जैसी शक्तियां भी अमेरिका के निशाने पर होंगी और उनकी यह बात बुधवार को सच साबित होती दिखी। बुधवार 4 मार्च को अमेरिका ने हिंद महासागर के भारतीय क्षेत्र में ईरान का एक युद्धपोत टॉरपीडो से हमला करके डुबो दिया। ईरान के इस युद्धपोत ने हाल ही में भारत के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास में हिस्सा लिया था और इसी के बाद वापस लौट रहा था। इस सैन्य अभ्यास को इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू-2026 कहा गया, इसकी मेजबानी भारत ने की थी और खुद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सामने भारतीय और ईरानी नौसैनिकों ने एक साथ परेड की थी। लेकिन भारत की संप्रभुता को बड़ी चोट पहुंचाते हुए अमेरिका ने हमला किया और इसमें सफलता का दावा भी किया। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने दावा किया कि हिंद महासागर में ईरान का एक युद्धपोत अमेरिका ने टॉरपीडो से हमला करके डुबो दिया है। हालांकि, हेगसेथ ने उस ईरानी जहाज का नाम नहीं बताया जिसे डुबोया गया है, जबकि श्रीलंकाई नौसेना ने बताया था कि 'आईआरआईएस डेना' हिंद महासागर में डूब गया है, जिसमें सवार कुल 180 में से लगभग 140 लोग लापता हैं। श्रीलंकाई सरकार ने यह भी कहा कि ईरानी युद्धपोत डेना की ओर से उनके पास एक डिस्ट्रेस कॉल (आपातकालीन संदेश) मिला जिसमें सहायता मांगी गई थी। लेकिन अमेरिका और श्रीलंका की बातों के उलट मोदी सरकार ने पहले इस दावे को 'भ्रामक' बताया। पीआईबी की फैक्ट चेक टीम ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि, 'एक अमेरिका बेस्ड चैनल में अमेरिकी सेना के पूर्व अधिकारी कर्नल डगलस मैक्ग्रेगर ने कहा कि अमेरिका भारतीय नौसैनिक अड्डे का इस्तेमाल ईरान पर हमले के लिए कर रहा है ये दावा बिलकुल $गलत है।' लेकिन सच क्या है ये अब पूरी दुनिया के सामने है। प्रधानमंत्री मोदी इस गंभीर संकट के वक्त भी चुप्पी बरते हुए हैं और सरकार हमले की सीधी निंदा करने की जगह गोल-मोल बातें कर रही है, यह बड़ी चिंता की बात है। क्योंकि अब तक सरकार ने विदेश नीति को पलटने का काम किया था, लेकिन अब तो अतिथि देवो भव के सामान्य शिष्टाचार को निभाने की जहमत भी नहीं उठा रही। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर नरेन्द्र मोदी अमेरिका और इजरायल से इतना डर क्यों रहे हैं। पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने मोदी सरकार को सही सलाह दी है कि, 'अगर हमने ईरानी जहाज को अपने 'मिलन' अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित नहीं किया होता, तो वह वहां मौजूद नहीं होता। हम इस अभ्यास के मेजबान थे। इस अभ्यास के प्रोटोकॉल के मुताबिक जहाज किसी भी तरह का गोला-बारूद नहीं ले जा सकते। यानी ईरान का वो जहाज निहत्था था।

चिंतन-मनन

सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला - मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं।

राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा - मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला - तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति से नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर की जान उसकी खाल की वजह से हमेशा खतरे में रहती है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है।

इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात जंच गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और अपने कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

विश्व त्रासदी :युद्ध अशांति अराजकता रक्तपात का दौर

मनोज कुमार अग्रवाल

विश्व हिंसा और अशांति के दौर से गुजर रहा है। दुनिया के बड़े भूभाग पर अशांति और ताकतवर देशों की अराजकता बढ़ रही है। कहीं सीधी जंग में मिसाइल हमले और एयरस्ट्राइक की जा रही हैं तो कहीं प्रॉक्सीवार के जरिए टकराव हो रहा है।युद्ध मानव सभ्यता के साथ पर्यावरण के लिए भी हानिकारक होता है। विस्फोट, रासायनिक हथियार और भारी सैन्य गतिविधियां प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट कर देती हैं। भूमि बंजर हो जाती है और जल स्त्रोत प्रदूषित हो जाते हैं।

बता देंकि 24 फरवरी 2022 से रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध और इसी साल 7 मई को भारत-पाकिस्तान के बीच सीमित सैन्य संघर्ष के बाद अब इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के कारण पश्चिम एशिया में परिस्थितियां गंभीर और जटिल बनी हुई हैं। इस समय दोनों देशों के बीच तनाव चरम सीमा पर है और दोनों देशों की सेनाएं प्रत्यक्ष सैन्य आक्रमणों में उलझी हुई हैं। रूस - यूक्रेन युद्ध, इजराएल - हमास युद्ध और अब अमेरिका - इजराएल बनाम ईरान युद्ध का संघर्ष यह दर्शाते हैं कि युद्ध का दंश सीमाओं से परे जाकर वैश्विक अर्थव्यवस्था और शांति को बुरी तरह प्रभावित करता है। इसे हाल ही में अमरीका और इसराईल द्वारा ईरान के विरुद्ध शुरू की गई भारी सैन्य कार्रवाई ने और बढ़ा दिया है। अब तक ईरान में ही इस युद्ध के कारण 555 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस जंग में हताहतों की संख्या लगातार बढ़ रही है. ईरानी रेड क्रेसेंट सोसाइटी के मुताबिक, ईरान में 780 से ज्यादा लोग मारे गए हैं. इनमें कथित तौर पर एक स्कूल पर हुए अमेरिका-इसराइल के हमले में मारी गईं 165 लड़कियां और स्टाफ भी शामिल हैं। युद्ध के कारण शरणार्थियों की समस्या भी उत्पन्न होती है जो अन्तराष्ट्रिय स्तर पर मानवीय संकट का रूप ले लेती है। यह भी विडंबना है की युद्ध प्रायः सत्ता, वर्चस्व और वैचारिक मतभेदों के कारण होते हैं जबकि युद्ध का कीमत आम जनता चुकाती है। आज के परमाणु और अत्याधुनिक हथियारों के युग में युद्ध का अर्थ केवल सीमित संघर्ष नहीं, बल्कि वैश्विक विनाश हो सकता है। विश्व भर में जारी कुछ अन्य युद्धों का सिलसिला जारी है आपको बता दें 2014 से जारी यमन के गृह युद्ध में लाखों लोग प्रभावित और हजारों लोगों की मौतें हो चुकी हैं। यह गृह युद्ध यमन के पूर्व और वर्तमान राष्ट्रपतियों के वफादार गुटों के बीच चल रहा है। यमन की राजधानी सना स्थित होऊथी योद्धाओं जिन्हें पूर्व राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालेह के वफादार योद्धाओं का समर्थन प्राप्त है, और अदन में स्थित मंसूर हादी की सरकार के बीच यह युद्ध चल रहा है। 21 फरवरी, 2026 को होऊथी सेनाओं द्वारा राजधानी सना में हादी को उनके आवास पर नजरबंद करने के एक महीने बाद ही हादी वहां से भाग निकलने में सफल रहे और अदन आ गए और कहा कि होऊथी अधिग्रहण अवैध था और वह अब भी यमन के संवैधानिक राष्ट्रपति हैं।

उधर इथोपिया में 2020 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अबी अहमद द्वारा विपक्षी पार्टी एल.पी.टी.एफ. के विरुद्ध की गई सैन्य कार्रवाई के कारण शुरू हुए गृह युद्ध से लाखों लोग विस्थापित हुए और सैंकड़ों लोग मारे गए। हालांकि नवम्बर, 2022 में हुए शांति समझौते के बाद झगड़े कम हुए हैं परंतु तनाव अभी बना हुआ है। आपको पता है म्यांमार में 1 फरवरी, 2021 को वहां के मिलिट्री जुंटा ने आंग सान सू की की सरकार का तख्तापलट कर सत्ता पर कब्जा कर लिया था। इसके तुरंत बाद ही जुंटा कहलाने वाले सैन्य शासकों का भी विरोध शुरू हो गया और इसने एक भीषण गृहयुद्ध का रूप ले लिया है। इस खूनी गृहयुद्ध में पिछले 5 वर्षों के दौरान 73,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

24 फरवरी, 2022 से रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध पांचवें वर्ष में दाखिल हो चुका है। इस युद्ध में अंतर्राष्ट्रीय अनुमानों के अनुसार दोनों पक्षों के सैनिकों और नागरिकों को मिलाकर लाखों लोगों की मौत तथा लाखों लोग घायल और विस्थापित हुए हैं। 7 अक्तूबर, 2023 को इसराईल और फिलिस्तीन के बीच जमीन, राजनीतिक स्वामित्व और धार्मिक दावों से सम्बन्धित दशकों पुराना विवाद हमास द्वारा इसराईल पर बड़ा हमला किए जाने के बाद अधिक तेजी से भड़क उठा। दोनों पक्ष एक-दूसरे की भूमि पर कब्जे और एक-दूसरे पर परस्पर सुरक्षा खतरे के आरोप लगाते आ रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार इसराईली हमलों के कारण गाजा का बड़ा हिस्सा बुरी तरह तबाह हो चुका है जिसके पुनर्निर्माण में 20 वर्ष से भी अधिक समय लगने का अनुमान है। इस संघर्ष में हजारों लोग मारे गए हैं।

अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा विवाद तेज हुआ है। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान की जमीन से आतंकी संगठन पाकिस्तान में हमले कर रहे हैं और इन हमलों में कई पाकिस्तानी सैनिक मारे जा चुके हैं। अफ्रीकी देश सुडान भी सूडानी सशस्त्र सेनाओं (एस.ए.एफ.) तथा अर्द्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आर.एस.एफ.) के बीच 2023 से जारी युद्ध के कारण इतिहास के सर्वाधिक उथल-पुथल भरे दौर से गुजर रहा है। इस कारण यहां की जनता पूरी तरह तबाह और बर्बाद हो गई है और उसकी मुसीबतों को गरीबी आदि ने और भी बढ़ा दिया है तथा लगभग 2 लाख 80 हजार लोग अपने घर छोड़ कर दूसरे स्थानों को जा चुके हैं। उक्त सारे संघर्ष वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को प्रभावित कर रहे हैं। कुल मिला कर आज विभिन्न देशों के नेताओं की सत्ता की भूख और निजी स्वार्थों के कारण दुनिया बारूद के ढेर पर बैठी नजर आ रही है।

अन्न से आत्मनिर्भरता तकः विश्व अनाज दिवस का संदेश

सुनील कुमार महला

अनाजों के महत्व, पोषण और खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 7 मार्च को विश्व अनाज दिवस (वर्ल्ड सीरियल डे) मनाया जाता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि ह्यसीरियलह्ल शब्द की उत्पत्ति प्राचीन रोमन देवी सेरेस के नाम से हुई है। दरअसल, रोमन पौराणिक कथाओं में सेरेस को खेती, फसल और मातृत्व की देवी माना जाता था और उन्हीं के सम्मान में अनाज को ह्यसीरियलह्ल कहा जाने लगा। वैसे, गेहूं, चावल, मक्का, जौ और जई जैसे खाद्यान्न सीरियल्स की श्रेणी में आते हैं।

विश्व अनाज दिवस वस्तुतः खाद्य सुरक्षा की नींव को रेखांकित करता है। कहना गलत नहीं होगा कि गेहूं, चावल, मक्का, जौ और बाजरा जैसे अनाज केवल भोजन नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के आधार स्तंभ हैं। उल्लेखनीय है कि आज विश्व की आधी से अधिक आबादी की दैनिक ऊर्जा आवश्यकताएँ मुख्यतः तीन अनाजों-गेहूं, चावल और मक्का से ही पूरी होती हैं। यदि अनाज न हों, तो वैश्विक खाद्य सुरक्षा की कल्पना भी संभव नहीं। आज जब दुनिया जलवायु परिवर्तन, जनसंख्या वृद्धि और भूख जैसी चुनौतियों का लगातार सामना कर रही है, तब अनाजों का महत्व और बढ़ जाता है। आज तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा और सूखा जैसी परिस्थितियाँ विशेषकर गेहूं और चावल की पैदावार को प्रभावित कर रही हैं। ऐसे में टिकाऊ कृषि पद्धतियाँ अपनाना समय की आवश्यकता है।

भारत के संदर्भ में देखें तो हमारा देश विश्व के प्रमुख गेहूं और चावल उत्पादक देशों में शामिल है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से करोड़ों लोगों तक सस्ती दरों पर अनाज पहुँचाया जाता है। हाल के वर्षों में मोटे अनाज-जैसे बाजरा, ज्वार और रागी आदि को पुनः प्रोत्साहित किया जा रहा है, क्योंकि ये पोषक तत्वों से भरपूर होने के साथ-साथ कम पानी में भी उगाए जा सकते हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारत की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2023 को 'अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष' घोषित किया, जिससे वैश्विक स्तर पर मोटे अनाजों के महत्व को नई पहचान मिली।

विश्व अनाज दिवस का उद्देश्य केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि अनाजों के पोषण मूल्य, खाद्य अपव्यय रोकने, संतुलित आहार अपनाने और किसानों के परिश्रम के सम्मान के प्रति जागरूकता फैलाना भी है। वास्तव में यह दिवस कुपोषण और भूख की समस्या को कम करने, टिकाऊ कृषि (सस्टेनेबल एग्रीकल्चर) को बढ़ावा देने तथा खाद्य सुरक्षा में किसानों की भूमिका को रेखांकित करता है।

इतिहास की दृष्टि से जौ को दुनिया के सबसे प्राचीन खेती किए गए अनाजों में से एक माना जाता है, जिसके प्रमाण लगभग 10,000 वर्ष पुराने मिलते हैं। इतिहासकारों का मत है कि मिस्र, मेसोपोटामिया और सिंधु घाटी जैसी प्राचीन सभ्यताओं का विकास कृषि, विशेष रूप से अनाज उत्पादन, के कारण ही संभव हुआ। आज बाजरा, ज्वार और रागी जैसे मोटे अनाजों को 'फ्यूचर फूड' कहा जा रहा है। ये प्रायः ग्लूटेन-रहित होते हैं और आयरन व कैल्शियम जैसे पोषक तत्वों से समृद्ध होते हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से भी कुछ अनाज अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए, 'पेरेनियल ग्रेन्स' (बारहमासी अनाज) ऐसी फसलें हैं जिन्हें हर वर्ष दोबारा बोने की आवश्यकता नहीं पड़ती। इनकी गहरी जड़ें मिट्टी के कटाव को रोकती हैं और कार्बन अवशोषण में सहायक होती हैं।

पाठक जानते होंगे कि मक्का विश्व में सर्वाधिक उगाई जाने वाली फसल है, किंतु इसका बड़ा हिस्सा प्रत्यक्ष भोजन के बजाय एथेनॉल (ईंधन) और पशु आहार के रूप में प्रयुक्त होता है। यह भी उल्लेखनीय है कि विश्व में उत्पादित अनाज का बड़ा भाग भंडारण और परिवहन के दौरान नष्ट हो जाता है। यदि इस अपव्यय को रोका जाए तो करोड़ों लोगों की भूख मिटाई जा सकती है।

19वीं सदी के अंत में डॉ. जॉन हार्वे केलॉग ने कॉर्नफ्लेक्स जैसे ब्रेकफास्ट सीरियल का आविष्कार किया था। उनका उद्देश्य इसे सादा और स्वास्थ्यवर्धक भोजन के रूप में प्रस्तुत करना था, ताकि लोग अत्यधिक मसालेदार और गरिष्ठ भोजन से बच सकें।

अनाज ऊर्जा, फाइबर, विटामिन और खनिजों का महत्वपूर्ण स्रोत हैं। विश्व की बड़ी आबादी का मुख्य भोजन अनाज ही है, जिनमें गेहूं और चावल का उपभोग सर्वाधिक होता है। जलवायु परिवर्तन का अनाज उत्पादन पर सीधा प्रभाव पड़ रहा है, जिससे खाद्य सुरक्षा की चुनौतियाँ और गंभीर हो सकती हैं।

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि ह्यविश्व खाद्य दिवसह्ल प्रतिवर्ष 16 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिवस 16 अक्टूबर 1945 को स्थापित खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) की स्थापना की स्मृति में मनाया जाता है, जो संयुक्त राष्ट्र की एक विशेषीकृत एजेंसी है। भोजन का अधिकार 1948 की सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा-पत्र द्वारा मान्यता प्राप्त है। वर्ष 2025 में विश्व खाद्य दिवस की थीम थी-बेहतर भोजन और बेहतर भविष्य साथ-साथ। भारत में अन्न उत्पादन की स्थिति सुदृढ़ हुई है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले दशक में देश का अन्न उत्पादन लगभग 90 मिलियन मीट्रिक टन बढ़ा है। इतना ही नहीं, फल और सब्ज़ियों का उत्पादन भी 64 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक बढ़ा है। भारत दूध और बाजरा (मिलेट्स) के उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान पर है, जबकि मछली, फल और सब्ज़ियों के उत्पादन में दूसरा स्थान रखता है। वर्ष 2014 के बाद से शहद और अंडे का उत्पादन दोगुना हो चुका है।

भारत सरकार की प्रमुख पहलों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013; प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना; पीएम पोषण योजना; अंत्योदय अन्न योजना; राइस फोर्टिफिकेशन तथा प्राइस स्टेबिलाइजेशन फंड (पीएसएफ) शामिल हैं, जो खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करती हैं।

इसी क्रम में 'विश्व दलहन दिवस' (वर्ल्ड पल्सेस डे) प्रतिवर्ष 10 फरवरी को मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2016 को 'अंतरराष्ट्रीय दलहन वर्ष' घोषित किया था। दालें न केवल पोषण का केंद्र हैं, बल्कि 'क्लाइमेट-स्मार्ट' फसलें भी मानी जाती हैं, क्योंकि इनमें नाइट्रोजन फिक्सेशन की क्षमता होती है। इनके पौधों की जड़ों में उपस्थित बैक्टीरिया वायुमंडलीय नाइट्रोजन को अवशोषित कर मिट्टी की उर्वरता बढ़ाते हैं, जिससे कृत्रिम उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है।

पर्यावरणीय दृष्टि से दालों का जल पदचिह्न(वाटर फुटप्रिंट) अत्यंत कम है।एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार जहाँ एक किलोग्राम बीफ उत्पादन में लगभग 15,000 लीटर पानी की आवश्यकता होती है, वहीं उतनी ही मात्रा में दाल उगाने के लिए केवल 50 से 200 लीटर पानी पर्याप्त होता है। पोषण के स्तर पर दालें प्रोटीन का सस्ता और प्रभावी स्रोत हैं। इनमें अनाज की तुलना में दो से तीन गुना अधिक प्रोटीन तथा आयरन, जिंक और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। शून्य कोलेस्ट्रॉल और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स के कारण ये हृदय रोग और मधुमेह प्रबंधन में सहायक हैं। वैश्विक परिदृश्य में भारत की भूमिका विशिष्ट है। भारत विश्व की लगभग 25% दालों का उत्पादक और 27% उपभोक्ता है। वर्ष 2026 के हालिया आँकड़ों के अनुसार, भारत चना और मूंग जैसी प्रमुख दालों में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से अग्रसर है। कभी 'गरीबों का प्रोटीन' कही जाने वाली दालें आज 'भविष्य का भोजन' मानी जा रही हैं।

अंततः, विश्व अनाज दिवस हमें यह संदेश देता है कि अनाज केवल भोजन नहीं, बल्कि मानव सभ्यता, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण संतुलन की आधारशिला हैं। जलवायु परिवर्तन और बढ़ती जनसंख्या के दौर में इनका संरक्षण, टिकाऊ उत्पादन और खाद्य अपव्यय पर नियंत्रण अत्यंत आवश्यक है। आइए, हर दाने का सम्मान करें और सुरक्षित, पोषित एवं समृद्ध भविष्य के निर्माण का संकल्प लें।

संक्षिप्त समाचार

ईरान से जंग के बीच अमेरिका का बड़ा कदम, डूम्सडे बैलिस्टिक मिसाइल का किया परीक्षण; कितनी घातक?

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच अमेरिका ने मंगलवार रात कैलिफोर्निया तट पर अपनी 'डूम्सडे' बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। 'मिनटमैन ड्ढड्ढड्ढ' नाम की यह मिसाइल बेहद घातक है। यह हिरोशिमा पर गिराए गए परमाणु बम से 20 गुना ज्यादा शक्तिशाली परमाणु हथियार ले जाने की क्षमता रखती है। इसे सांता बारबरा के पास वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से रात 11 बजे लॉन्च किया गया। अमेरिकी स्पेस फोर्स ने जानकारी दी कि 'जीटी 254' नाम का यह रॉकेट बिना किसी हथियार के छोड़ा गया था। इसने प्रशांत महासागर में मार्शल आइलैंड्स के पास अपने तय लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाया। एयर फोर्स ग्लोबल स्ट्राइक कमांड ने बताया कि इस मिसाइल को इसकी सटीकता और तैयारी को परखने के लिए दागा गया था। 576वें फ्लाइट टेस्ट स्क्वाड्रन के कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल कैरी रे ने एक प्रेस रिलीज में कहा कि इस टेस्ट से मिसाइल सिस्टम के अलग-अलग हिस्सों की कार्यक्षमता का अंदाजा लगाने में मदद मिली। उन्होंने बताया कि ऐसे परीक्षणों से देश की परमाणु शक्ति के जमीनी हिस्से को और भी मजबूत और तैयार रखा जा सकता है। यह परीक्षण ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और इस्राइल ने हाल ही में ईरान पर हमला किया था। उस हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी, जिससे पूरे इलाके में जंग छिड़ गई है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर हमले तेज करने चेतावनी दी है और कहा है कि एक बड़ा हमला होने वाला है। हालांकि, एयर फोर्स ग्लोबल स्ट्राइक कमांड ने यह भी साफ किया कि मंगलवार का यह परीक्षण रूटीन था और इसकी योजना वर्षों पहले ही बना ली गई थी।

इजराइल-ईरान जंग के बीच बंकर में शादी

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी। ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल हमले का आज छठा दिन है। इजराइली और अमेरिकी सेनाओं ने गुरुवार को भी ईरान के अहम ठिकानों पर मिसाइलें दागीं। ईरान के इजराइल और गल्फ देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों के साथ अन्य जगहों पर भी हमले जारी हैं। 28 फरवरी को शुरू हुई इस जंग में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामनेई की मौत हो चुकी है। अमेरिका-इजराइल तीन दिन में 2000 से ज्यादा बम गिरा चुके हैं। इससे ईरान में 1,045 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। मिशा नाम के एक शख्स ने बुधवार को इजराइल के तेल अवीव स्थित एक भूमिगत बम शेल्टर में शादी की। इस दौरान अपनी दुल्हन लियोर के चेहरे पर घूंघट डाला। यह शादी पहले पेटाह टिकवा में होने वाली थी, लेकिन जंग की वजह से इसे बम शेल्टर में शिफ्ट किया गया। मिशा ने कहा- हालात कैसे भी हों नई शुरुआत होनी चाहिए। जिंदगी रुकना नहीं चाहिए। इजराइल में यहूदी पर्व पुरिम) मनाया जा रहा है। इस मौके पर तेल अवीव के एक बम शेल्टर में स्थानीय लोग एकत्रित हुए। पुरिम पर्व प्राचीन फारस में यहूदियों के नरसंहार से बचाए जाने की स्मृति में मनाया जाता है। यरूशलम के एक बंकर में स्थानीय लोगों ने नाचते- गाते पुरिम पर्व मनाया। यहां के लोगों का कहना है कि जंग के दौरान भी खुशी मनाना उनके अस्तित्व का प्रमाण है। यरूशलम में बुधवार को पुरिम पर्व मनाने के लिए सैंकड़ों की तादाद में लोग जमा हुए। इस दौरान इजराइल लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर बम बरसा रहा था।

'वर्क फ्रॉम होम' लागू करने की तैयारी में पाक, ईरान युद्ध ने बिगाड़ा तेल का खेल; सऊदी की शरण में शहबाज

इस्लामाबाद, एजेंसी। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर ईंधन की आपूर्ति पर गंभीर संकट मंडरा रहा है। इस संभावित संकट का सीधा और गहरा असर पाकिस्तान पर पड़ने की आशंका है। कच्चे तेल की सप्लाई चेन बुरी तरह बाधित होने के डर से पाकिस्तान सरकार अब आपातकालीन कदम उठाने की तैयारी कर रही है। ईंधन संरक्षण के इस कड़े कदम के तहत, सरकार देश में अनिवार्य रूप से 'वर्क फ्रॉम होम' (ड्ढस्न ॥) लागू करने की योजना बना रही है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य दफ्तर जाने वाले लोगों को घर पर ही रोकना और सड़कों पर वाहनों की आवाजाही को कम करना है, ताकि पेट्रोल और डीजल की भारी खपत को नियंत्रित किया जा सके। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने बुधवार को सऊदी अरब से एक वैकल्पिक मार्ग के जरिए तेल आपूर्ति जारी रखने का आधिकारिक अनुरोध किया है। पाकिस्तान के संघीय पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने पाकिस्तान में सऊदी अरब के राजदूत नवाफ बिन सईद अल-मल्की के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, मलिक ने सऊदी अरब से लाल सागर पर स्थित यानबू बंदरगाह के जरिए तेल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। सऊदी राजदूत ने पाकिस्तान को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि रियाद किसी भी आपातकालीन ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने के लिए इस्लामाबाद के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा।

ईरान युद्ध पर अमेरिका का बड़ा कबूलनामा; रक्षा मंत्री हेगसेथ बोले- हर मिसाइल रोक पाना संभव नहीं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने स्वीकार किया है कि ईरान की ओर से दागी जाने वाली हर मिसाइल या ड्रोन को रोक पाना संभव नहीं है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना की ताकत और तकनीक इतनी मजबूत है कि ईरान के हवाई क्षेत्र पर धीरे-धीरे अमेरिका का नियंत्रण बढ़ता जा रहा है। पेंटागन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका ने अपने सैनिकों और सहयोगी देशों की सुरक्षा के लिए हवाई रक्षा प्रणाली को मजबूत करने में कोई कमी नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा कि हमला शुरू करने से पहले ही अधिकतम सुरक्षा व्यवस्था कर दी गई थी, ताकि सैनिकों को नुकसान कम से कम हो।

अमेरिकी सैनिकों के लिए खतरा अब भी बना हुआ : अमेरिकी सेना के शीर्ष अधिकारी और ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन कैन ने भी साफ कहा कि अमेरिकी सैनिक अभी भी खतरे में हैं। उन्होंने कहा कि युद्ध के दौरान जोखिम पूरी तरह खत्म नहीं होता और स्थिति को गंभीरता से देखने की जरूरत है। रविवार को कुवैत के एक नागरिक बंदरगाह क्षेत्र में ईरानी ड्रोन हमले में छह अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई थी। यह हमला सेना के मुख्य बेस से करीब 10 मील दूर एक ऑपरेशन सेंटर पर हुआ था। बताया गया कि यह केंद्र शिपिंग कंटेनर जैसी इमारत में बना था और वहां मजबूत सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी।

जब पत्रकारों ने पूछा कि क्या अमेरिका ईरान में जमीनी सैनिक भेज सकता है, तो जनरल कैन ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने भी कहा कि फिलहाल यह योजना का हिस्सा नहीं है, लेकिन राष्ट्रपति के सामने मौजूद किसी विकल्प को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता।

युद्ध 3 हफ्ते से लेकर 2 महीने तक चल सकता है- हेगसेथ : रक्षा मंत्री हेगसेथ ने संकेत दिया कि यह संघर्ष पहले की उम्मीद से ज्यादा लंबा चल सकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध तीन हफ्ते से लेकर आठ हफ्ते तक भी चल सकता है। उनके अनुसार युद्ध की अवधि इस बात पर निर्भर करेगी कि हालात किस दिशा में बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि अभी युद्ध की गति और रणनीति अमेरिका तय कर रहा है और ईरान दबाव में है। हेगसेथ ने बताया कि अमेरिका लगातार इस क्षेत्र में अतिरिक्त लड़ाकू विमान और बमवर्षक भेज रहा है, ताकि अभियान को मजबूत बनाया जा सके।

अमेरिका का दावा- हथियारों की कमी नहीं : हेगसेथ और जनरल कैन दोनों ने कहा कि अमेरिकी सेना के पास हथियारों और गोला-बारूद की कोई कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि युद्ध की शुरुआत में अमेरिका ने अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया था, लेकिन अब जब ईरान के आसमान पर नियंत्रण बढ़ गया है तो पारंपरिक लेकिन सटीक बमों का इस्तेमाल किया जा रहा है। जनरल कैन के अनुसार अमेरिकी हमलों ने ईरान के कई मिसाइल ठिकानों और सैन्य लक्ष्यों को नुकसान पहुंचाया है। इसी वजह से अब अमेरिकी विमान ईरान के अंदरूनी इलाकों तक जाकर हमला कर पा रहे हैं।

ईरान के हमलों में कमी, लेकिन खतरा बना हुआ : अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार युद्ध की शुरुआत की तुलना में ईरान द्वारा दागी जा रही बैलिस्टिक मिसाइलों की संख्या में लगभग 86 प्रतिशत की कमी आई है। पिछले 24 घंटों में भी इसमें करीब 23 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई है। इसके अलावा एक-तरफा हमला करने वाले ड्रोन के इस्तेमाल में भी लगभग 73 प्रतिशत की कमी देखी गई है। हालांकि अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि ईरान संभवतः अपने कुछ हथियार भविष्य के लिए बचाकर रख रहा है ताकि युद्ध लंबा खींच सके।

पश्चिम एशिया से अमेरिकी नागरिकों की निकासी : इस बीच अमेरिका ने पश्चिम एशिया के 14 देशों में रह रहे अपने नागरिकों को तुरंत वहां से निकलने की सलाह दी है। क्षेत्र में लगातार मिसाइल और ड्रोन हमलों के कारण कई जगहों का हवाई क्षेत्र बंद हो गया है और बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द हो रही हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक करीब 6,500 अमेरिकियों को क्षेत्र से निकालने में मदद की गई है। वहीं शनिवार से अब तक 17,500 से ज्यादा अमेरिकी नागरिक पश्चिम एशिया से अमेरिका लौट चुके हैं, जिनमें से अधिकांश लोग व्यावसायिक उड़ानों के जरिए लौटे हैं।

टैरिफ नीति पर बुरे फंसे ट्रंप: रिफंड पर न्यूयॉर्क कोर्ट का बड़ा फैसला, जज बोले- कंपनियों को लौटाया जाएगा पैसा

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका में टैरिफ विवाद में बड़ा मोड़ आ गया है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अब न्यूयॉर्क की संघीय अदालत ने भी ट्रंप प्रशासन को झटका दिया है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि जिन कंपनियों ने ट्रंप सरकार की तरफ से लगाए गए आयात टैरिफ का भुगतान किया था, उन्हें अब पैसा वापस किया जाएगा। यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड के जज रिचर्ड ईटन ने कहा कि सभी आयातक कंपनियां यूएस सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का लाभ पाने की हकदार हैं, जिसमें पिछले महीने ट्रंप के कई टैरिफ को असंवैधानिक बताया गया था। फैसला सुनाते हुए यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड में न्यायाधीश रिचर्ड ईटन ने कहा कि सभी आयातक रिकॉर्ड के मालिक इस फैसले का लाभ पाने के हकदार हैं। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के उस निर्णय के बाद आया, जिसमें अमेरिकी टैरिफ को अवैध बताते हुए कहा गया था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 1977 की अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईईपीए) के तहत लगाए गए टैरिफ संविधान के खिलाफ हैं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर एक नजर : इतना ही नहीं अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने यह भी जोड़ा था कि राष्ट्रपति अकेले टैरिफ तय और बदल नहीं सकते, क्योंकि कर लगाने का अधिकार केवल कांग्रेस का है। इस फैसले में पारस्परिक टैरिफ, जो लगभग सभी देशों पर लगाए गए थे, को भी अवैध घोषित किया गया।

कंपनियों के रिफंड पर कोर्ट सख्त : न्यायाधीश ईटन ने अपने फैसले में कहा कि वह अकेले आईईईपीए टैरिफ की वापसी के मामलों को सुनेंगे। इससे यह साफ हुआ कि कंपनियों को टैरिफ लौटाने की प्रक्रिया कैसे होगी, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में इसका जिक्र नहीं किया। इसपर वकील रयान मेजरस ने कहा कि सरकार शायद इस फैसले के खिलाफ अपील करेगी या वापसी की प्रक्रिया को रोकने के लिए समय मांगेगी। बता दें कि अमेरिका सरकार ने अब तक इन टैरिफ से 130 बिलियन अमेरिकी डॉलर इकट्ठा किए थे। विशेषज्ञों के अनुसार, सरकार को कुल 175 बिलियन डॉलर तक की वापसी करनी पड़ सकती है। ऐसे में यह फैसला विशेष रूप से एटमस निस्पंदन, नाशविल, टेनेसी की कंपनी के मामले पर आया है, जिसने टैरिफ की वापसी का दावा किया था। यह कंपनी फिल्टर्स और अन्य फिल्ट्रेशन प्रोडक्ट बनाती है। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि जब कोई सामान अमेरिका में आता है, तो यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन उसका अंतिम हिसाब करती है, जिसे लिक्विडेशन कहते हैं।

मध्य पूर्व में तनाव के बीच घर लौट रहे दक्षिण कोरियाई पर्यटक

सियोल , एजेंसी। मध्य पूर्व देशों में बढ़ते तनाव के बीच दक्षिण कोरियाई पर्यटक धीरे-धीरे अपने घर लौट रहे हैं। वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था होने के बाद उनकी वापसी आसान हो सकी है। पर्यटन उद्योग के सूत्रों के अनुसार, बुधवार तक प्रमुख ट्रैवल एजेंसियों के 400 से अधिक पर्यटक दुबई में ठहरे हुए थे। इनमें हाना टूर के करीब 150 ग्राहक, मोड टूर के लगभग 190 ग्राहक और येलो बैलून टूर के करीब 70 ग्राहक शामिल हैं। यह जानकारी योनहाप समाचार एजेंसी ने दी है। हाना टूर ने बताया कि उसके 40 ग्राहक दिन में पहले ही दुबई से रवाना हो चुके हैं और वे गुरुवार देर रात तक दक्षिण कोरिया पहुंचने वाले हैं। वहीं मोड टूर ने भी अपने 39 ग्राहकों के लिए वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था की है, जिनके इंचियोन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पहुंचने की उम्मीद है। इन यात्रियों के लौटने के बाद भी 330 दक्षिण कोरियाई पर्यटक दुबई में ही रहेंगे। कंपनियों के मुताबिक मध्य पूर्व के अन्य देशों में मौजूद पर्यटक फिलहाल बिना किसी बड़ी समस्या के अपने देश लौट रहे हैं। हाना टूर के एक अधिकारी ने बताया कि काहिरा में मौजूद उनके समूह के पर्यटक बिना किसी व्यवधान के वापस लौट रहे हैं। वहीं, येलो बैलून टूर के एक अधिकारी ने कहा कि कंपनी काहिरा और जॉर्डन के अम्मान में मौजूद अपने ग्राहकों के लिए इस सप्ताह के अंत में वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था कर रही है। इस बीच सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी के मुख्य नीति निर्माता ने चेतावनी दी कि क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण मध्य पूर्व को होने वाला दक्षिण कोरिया का निर्यात प्रभावित हो सकता है। उससे निपटने के लिए कदम तैयार किए जा रहे हैं। नेशनल असेंबली की नीति समिति की अध्यक्ष हान जियोंग-ए ने संबंधित संसदीय समितियों के डेमोक्रेटिक सांसदों के साथ बैठक में कहा कि बढ़ता संघर्ष मध्य पूर्व के प्रमुख देशों को होने वाले दक्षिण कोरिया के निर्यात पर असर डाल सकता है, जो पिछले वर्ष 200 ट्रिलियन वॉन रहा था। उन्होंने कहा कि हम इस संभावना को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि मध्य पूर्व में लगभग 100 ट्रिलियन वॉन के वे प्रोजेक्ट, जिन्हें हमारी कंपनियों ने स्मार्ट सिटी, परमाणु ऊर्जा संयंत्र और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेटा सेंटर जैसे भविष्य के विकास इंजन के रूप में विकसित किया है, देरी का शिकार हो सकते हैं।

पूर्व अमेरिकी कर्नल का बड़ा दावा- हमारे बेस तबाह, अब भारत पर निर्भर रहना पड़ रहा है

वाशिंगटन, एजेंसी। जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने कहा, 'अमेरिकी सैनिक अभी भी खतरे में हैं, और हमें यह साफ पता होना चाहिए कि जोखिम अभी भी बहुत ज्यादा है।' अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बुधवार को स्वीकार किया कि ईरान के कुछ हवाई हमले अभी भी लक्ष्य तक पहुंच सकते हैं।

ईरान और अमेरिका में जंग जारी है। इसी बीच अमेरिकी सेना के पूर्व कर्नल ने दावा किया है कि ईरान मजबूती से लड़ रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि अमेरिका के कई बेस तबाह हो गए हैं और युद्ध के लिए भारत और उसके बेस पर निर्भर रहना पड़ रहा है। हालांकि, इसे लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सरकार या भारत ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच 6 दिनों से खूनी संघर्ष जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी सेना के पूर्व कर्नल डगलस मैकग्रेगर ने चीन और रूस की तरफ से ईरान को मदद मिलने की बात कही है। उन्होंने कहा, 'चीन और रूस हर चीज पर नजर रखे हुए हैं और सरकार के साथ संपर्क में हैं। वो सैटेलाइट इंटेलिजेंस मुहैया करा रहे हैं, जिसकी वजह से कुछ सफलता (ईरान) को मिली है। खासतौर से इजरायल और हमारे अमेरिकी बेस पर मिली है।' उन्होंने कहा, 'हमारे सभी बेस तबाह हो गए हैं। हमारे हार्बर इंस्टॉलेशन तबाह हो गए हैं। असल में हमें भारत और भारतीय बंदरगाहों पर निर्भर रहना होगा...। मुझे लगता है कि ईरान बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।' ईरान के कुछ हमले टारगेट तक पहुंच सकते हैं, अमेरिकी रक्षा मंत्री बोले अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बुधवार को स्वीकार किया कि ईरान के कुछ हवाई हमले अभी भी लक्ष्य तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका की सैन्य सर्वोच्चता उसे इस्लामी गणराज्य के हवाई क्षेत्र पर तेजी से नियंत्रण करने में मदद कर रही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास युद्ध के लिए पर्याप्त साजो सामान है। ईरान पर इजरायल के साथ हमले शुरू करने के कुछ दिन बाद, हेगसेथ ने पेंटागन में संवाददाताओं से कहा कि अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अमेरिकी सेना और सहयोगियों की सुरक्षा के लिए वायु रक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने में 'कोई कसर' नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा, 'इसका मतलब यह नहीं है कि हम सब कुछ रोक सकते हैं, लेकिन हमने यह पक्का किया कि हमला करने से पहले अधिक से अधिक रक्षा और प्रतिरक्षा तैयार किया जाए।' उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब इलाके में और ड्रोन या मिसाइल हमलों से सैनिकों को नुकसान हो सकता है। वहीं, डोनाल्ड ट्रंप और शीर्ष रक्षा अधिकारियों ने इस लड़ाई में और अमेरिकी लोगों के मारे जाने की आशंका जताई है क्योंकि यह संघर्ष लंबा चल सकता है। जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने कहा, 'अमेरिकी सैनिक अभी भी खतरे में हैं, और हमें यह साफ पता होना चाहिए कि जोखिम अभी भी बहुत ज्यादा है।'

सनसनीखेज दावा: 'मेरे पास कोई चारा नहीं था', ट्रंप की हत्या क्यों करना चाहता था पाकिस्तानी आसिफ?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य शीर्ष अमेरिकी नेताओं की हत्या की साजिश रचने के आरोपी एक पाकिस्तानी नागरिक आसिफ मर्चेंट ने बुधवार को अदालत में जूरी के सामने गवाही दी। उसने दावा किया कि उसने ईरान के कुलीन 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' के साथ अपनी मर्जी से काम नहीं किया था। अमेरिकी न्याय विभाग ने आसिफ मर्चेंट पर आरोप लगाया है कि उसने ट्रंप और अन्य राजनेताओं की हत्या की योजना के तहत अमेरिका के भीतर लोगों की भर्ती करने की कोशिश की। यह साजिश अमेरिका द्वारा ईरान के शीर्ष कमांडर कासिम सुलेमानी की हत्या का बदला लेने के लिए रची गई थी। ईरान में सैन्य और आर्थिक शक्ति के साथ-साथ एक मजबूत खुफिया नेटवर्क होने के कारण 'रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' की वहां केंद्रीय भूमिका है।

आरोपी मर्चेंट का अदालत में बचाव : 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार, आतंकवाद और हत्या की सुपारी के आरोपों का सामना कर रहे मर्चेंट ने अदालत में कहा- मैं यह काम इतनी स्वेच्छा से नहीं करना चाहता था। उसने दावा किया कि उसने तेहरान में रह रहे अपने परिवार को सुरक्षित रखने के लिए मजबूरी में इस साजिश में हिस्सा लिया। मर्चेंट ने यह भी कहा कि उसे कभी किसी विशिष्ट व्यक्ति को मारने का सीधा आदेश नहीं मिला था। हालांकि, तेहरान में बातचीत के दौरान उसके ईरानी हैंडलर ने तीन प्रमुख नेताओं के नाम लिए थे- डोनाल्ड ट्रंप, जो बाइडेन (तत्कालीन राष्ट्रपति), निक्की हेली (2024 के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवारी की पूर्व दावेदार) सरकारी वकीलों ने मर्चेंट के 'मजबूरी' वाले दावे को सिरे से खारिज कर दिया है। 2024 से चल रहे इस मामले में, मंगलवार को जज को भेजे गए एक पत्र में अभियोजकों ने कहा कि सच्चे दबाव या जबरदस्ती को साबित करने के लिए कोई भी उचित साक्ष्य मौजूद नहीं है। इस बीच, मर्चेंट के वकीलों और वाइट हाउस की तरफ से इस मामले पर फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं आई है। इस मामले का ट्रायल पिछले हफ्ते ही शुरू हुआ है। गौरतलब है कि ट्रायल शुरू होने से कुछ दिन पहले ही ट्रंप के आदेश पर अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर बड़े हमले किए हैं। इन संयुक्त हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और मध्य पूर्व के देश के कई शीर्ष अधिकारी मारे गए। रविवार को एबीसी न्यूज से बात करते हुए ट्रंप ने खामेनेई को मारने वाले इस ऑपरेशन का बचाव किया।

किम जोंग उन का दावा- परमाणु ताकत से लैस होगी उत्तर कोरिया की नौसेना, नए युद्धपोत का किया निरीक्षण

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी नौसेना की ताकत बढ़ाने के लिए बड़े कदम उठाए हैं। उन्होंने लगातार दो दिनों तक नए युद्धपोत (डिस्ट्रॉयर) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने युद्धपोत से दागी गई क्रूज मिसाइलों का परीक्षण भी देखा। किम ने अपनी नौसेना को परमाणु हथियारों से और अधिक मजबूत करने का वादा किया है। सरकारी मीडिया ने गुरुवार को इस दौरे की जानकारी दी।

किम जोंग उन ने मंगलवार और बुधवार को नम्पो के पश्चिमी शिपयार्ड का दौरा किया। वहां उन्होंने 5,000 टन के युद्धपोत 'चो ह्योन' जैसी श्रेणी के तीसरे जहाज के निर्माण कार्य का जायजा लिया। किम ने कहा कि 'चो ह्योन' का विकास उनकी सेना की मारक क्षमता बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी प्रगति है। यह जहाज परमाणु क्षमता वाली बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों को दागने के लिए बनाया गया है। दक्षिण कोरियाई विशेषज्ञों का मानना है कि इस जहाज को बनाने में रूस ने मदद की है। हालांकि, कुछ लोग इसकी कार्यक्षमता पर संदेह भी जता रहे हैं।

पिछले साल मई में इसी श्रेणी का दूसरा जहाज लॉन्चिंग के दौरान खराब हो गया था। इस नाकामी पर किम जोंग उन ने बहुत गुस्सा जाहिर किया था। उन्होंने इसे एक अपराध बताया था। उस जहाज का नाम 'कांग कोन' था, जिसे मरम्मत के बाद जून में फिर से लॉन्च किया गया। किम ने अब लक्ष्य रखा है कि अगले पांच वर्षों तक हर साल दो बड़े युद्धपोत बनाए जाएंगे। उनका पूरा ध्यान अब नौसेना की क्षमता बढ़ाने पर है। इसमें परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां बनाना भी शामिल है। नम्पो शिपयार्ड में बन रहा तीसरा युद्धपोत अक्टूबर तक पूरा होने की उम्मीद है।

किम जोंग उन ने दावा किया कि नौसेना को परमाणु हथियारों से लैस करने की कोशिशों में अच्छी प्रगति हो रही है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव समुद्री सीमाओं की रक्षा में बड़ी भूमिका निभाएगा। जानकारों का कहना है कि उत्तर कोरिया एक नई समुद्री सीमा घोषित करने की तैयारी में है। किम ने साफ कर दिया है कि वे पुरानी समुद्री सीमा (एनएलएल) को मान्यता नहीं देते हैं। इस वजह से आने वाले समय में समुद्री क्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है।

किम ने अपनी सेना को मजबूत करने के साथ-साथ कूटनीतिक रास्ते भी खुले रखे हैं। उन्होंने ट्रंप प्रशासन के साथ बातचीत की संभावना जताई है। हालांकि, उन्होंने शर्त रखी है कि अमेरिका को परमाणु निरस्त्रीकरण की अपनी जिद छोड़नी होगी। किम ने स्पष्ट किया कि वे अपने हथियारों का जखीरा बढ़ाना जारी रखेंगे ताकि किसी भी खतरे का सामना किया जा सके। उन्होंने दक्षिण कोरिया के प्रति भी अपना सख्त रुख बरकरार रखा है। उत्तर कोरिया की इन गतिविधियों ने पूरे एशिया क्षेत्र में चिंता बढ़ा दी है।

पाकिस्तान-अफगान सीमा तनाव: छह दिन से जारी जंग के बीच तुर्किये ने की मध्यस्थता की पेशकश

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर जारी झड़पें अब छठे दिन में पहुंच गई हैं। इसके बाद भी दोनों तरफे से हमले जारी है। इसी बीच अब इस मामले में तुर्किये की एंट्री हुई है। तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने दोनों देशों के बीच नया युद्धविराम कराने के लिए मध्यस्थता की पेशकश की है। बता दें कि संघर्ष की शुरुआत पिछले हफ्ते हुई, जब अफगानिस्तान ने गुरुवार को पाकिस्तान पर हमले किए। यह हमला पाकिस्तान द्वारा पिछले सप्ताहांत किए गए हवाई हमलों के जवाब में बताया गया।

इसके बाद पाकिस्तान ने सीमा पर सैन्य अभियान शुरू कर दिया और कहा कि वह अफगानिस्तान के साथ खुले युद्ध जैसी स्थिति में है। इससे अंतरराष्ट्रीय समुदाय में चिंता बढ़ गई है। इससे पहले दोनों देशों के बीच अक्तूबर 2024 में कतर और तुर्किये की मदद से युद्धविराम हुआ था। उस समझौते के बाद इस्तांबुल में छह दिन तक बातचीत भी हुई और नवंबर में तीसरे दौर की वार्ता पर सहमति बनी थी। लेकिन 6 और 7 नवंबर को हुई बातचीत में कोई ठोस नतीजा नहीं निकला और शांति प्रक्रिया रुक गई।

तुर्किये का राष्ट्रपति और पाकिस्तानी पीएम की बातचीत : तुर्किये के राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार,एर्दोगन ने फोन पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से बातचीत की। उन्होंने पाकिस्तान में हुए आतंकी हमलों की निंदा की और कहा कि तुर्किये पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच फिर से युद्धविराम बहाल कराने में मदद करेगा। हालांकि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सीधे तौर पर इस प्रस्ताव की पुष्टि नहीं की, लेकिन बताया कि दोनों नेताओं ने 2,611 किलोमीटर लंबी अफगान-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव पर चर्चा की और क्षेत्र में शांति व स्थिरता के लिए संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई।

मामले में अफगान भी मौन : दूसरी ओर अभी तक इस मामले में अफगानिस्तान की तालिबान सरकार की ओर से एर्दोआन की पेशकश पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। हालांकि पिछले हफ्ते तुर्किये के विदेश मंत्री हकन फिदान ने अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी से सीमा पर हालात को लेकर बातचीत की थी। इसी बीच पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने कहा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच शांति तभी संभव है जब अफगान तालिबान पाकिस्तान विरोधी उग्रवादियों से अपने संबंध खत्म करे। उन्होंने चेतावनी दी कि पाकिस्तान अपनी सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा।

अब समझिए पूरे संघर्ष की कहानी : गौरतलब है कि सीमा पर लड़ाई मुख्य रूप से पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान इलाकों में हो रही है। दोनों देश एक-दूसरे को भारी नुकसान पहुंचाने का दावा कर रहे हैं, लेकिन मीडिया की पहुंच सीमित होने के कारण इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। ऐसे में अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि पिछले पांच दिनों में 150 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए, जबकि 28 अफगान सैनिक भी मारे गए। दूसरी ओर पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने कहा कि पिछले छह दिनों में 481 अफगान सैनिक मारे गए। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान की जमीन से तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) जैसे उग्रवादी संगठन पाकिस्तान में हमले कर रहे हैं। लेकिन काबुल की सरकार इन आरोपों से इनकार करती है और कहती है कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी दूसरे देश के खिलाफ नहीं होने देती।

अक्षर पटेल भारत के महानतम खिलाड़ियों में शामिल होने की राह पर: गावस्कर

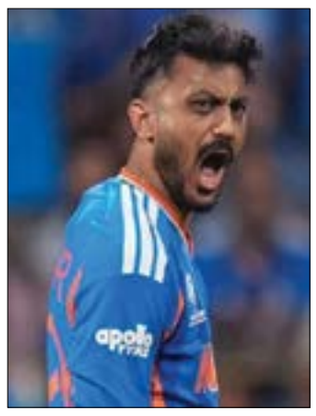

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि अक्षर पटेल क्रिकेट के हर विभाग में अपने शानदार कौशल और क्रिकेट की बहुत अच्छी समझ रखने के कारण भारत के महानतम खिलाड़ियों में से एक बनने की राह पर हैं जिसकी एक बानगी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में देखने को मिली जिसमें उन्होंने अपनी शानदार फील्डिंग से प्रभावित किया।

अक्षर पटेल ने खेल के दो अलग-अलग लेकिन महत्वपूर्ण चरणों में खतरनाक हैरी ब्रूक और विल जैक्स को आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अक्षर ने कवर पोजीशन से 24 मीटर पीछे दौड़कर शानदार कैच लेकर ब्रूक को पवेलियन भेजा। इसके बाद अर्शदीप सिंह की वाइड फुल टॉस गेंद को जैक्स ने डीप पॉइंट की ओर खेला। अक्षर ने अपनी बाईं ओर दौड़कर गेंद को लपका लेकिन सीमा रेखा पर संतुलन नहीं बना पाने के कारण उन्होंने उसे शिवम दुबे की तरफ उछाल दिया।

गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, 'अक्षर ने ब्रूक का जो कैच लिया वह अविश्वसनीय था। ब्रूक मैच का रुख बदल सकते हैं और उनका विकेट हासिल करने का हर मौका भुनाना चाहिए। अक्षर ने वही किया। वह 24 मीटर दौड़े, गेंद पर नजर रखी, खुद पर नियंत्रण बनाए रखा और कैच लपक लिया। अविश्वसनीय।' उन्होंने कहा, 'विल जैक्स को आउट करने में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई। (जैकब) बेथेल और जैक्स की साझेदारी मैच को इंग्लैंड के पक्ष में कर रही थी। लेकिन अक्षर अपनी बाईं ओर दौड़े, गेंद पकड़ी और चतुराई दिखाकर उसे शिवम दुबे के पास पहुंचा दिया। इससे उनकी क्रिकेट की समझ और अच्छी सूझबूझ का पता चलता है।'

गावस्कर ने कहा, 'शीर्ष स्तर पर आपकी सूझबूझ और जज्बा ही महान खिलाड़ियों को अन्य खिलाड़ियों से अलग करता है। अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी के दम पर अक्षर भारत के महान खिलाड़ियों में से एक बनने जा रहे हैं।' गावस्कर ने कहा कि रवींद्र जडेजा के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अक्षर ने उनकी जगह को अच्छी तरह से भर दिया है।

इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा, 'उनसे पहले हमारे पास रवींद्र जडेजा थे और अक्षर उनकी कमी को बखूबी पूरा कर रहे हैं। उनकी गेंदबाजी में थोड़ा और निखार की जरूरत है। अनुभव के साथ यह आ जाएगा। उनकी लाइन, लेंथ और गति में निरंतर सुधार हो रहा है।' गावस्कर ने इसके अलावा जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए कहा, 'जसप्रीत बुमराह जैसे तेज गेंदबाज सदियों में एक बार पैदा होते हैं। वह सभी प्रारूप में खेलते हैं। इसलिए चाहे टेस्ट मैच हो या वनडे या फिर टी20 आप उन्हें गेंद दे दीजिए और वह अपना काम बखूबी निभाएंगे।'

लियोनेल मेस्सी ने डोनाल्ड ट्रंप को भेंट की रत्नों से जड़ी गुलाबी फुटबॉल

वाशिंगटन (एजेंसी)। दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी ने पिछले साल मेजर लीग सॉकर (MLS) कप जीतने पर इंटर मियामी को सम्मानित करने के लिए व्हाइट हाउस में आयोजित एक समारोह के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रत्नजड़ित गुलाबी फुटबॉल भेंट की।

इंटर मियामी ने दिसंबर में वैंकूवर व्हाइटकैप्स को हराकर मेजर लीग सॉकर का खिताब जीता था। अर्जेंटीना के सुपरस्टार मेस्सी को लगातार दूसरे सत्र में सबसे मूल्यवान खिलाड़ी (MVP) चुना गया था। ट्रंप ने कहा, 'लियो (मेस्सी) आप टीम से जुड़े और आपकी टीम ने जीत हासिल की। आपके लिए अच्छा प्रदर्शन करना आसान नहीं था। सच कहूं तो आप पर जितना दबाव था, उतना किसी को पता भी नहीं होगा, क्योंकि उम्मीद की जा रही थी कि आप जीत दिलाने में सफल रहेंगे और आपने ऐसा किया।'

मेस्सी ने ट्रंप के साथ समारोह में प्रवेश किया। वर्ष 2023 में मियामी से जुड़ने वाले मेस्सी ने कार्यक्रम के दौरान भाषण नहीं दिया। ट्रंप ने मेस्सी को संबोधित करते हुए कहा, 'आप दुनिया में कहीं भी जा सकते थे। आप दुनिया की कोई भी टीम चुन सकते थे, लेकिन आपने मियामी को चुना। मैं आपका आभार व्यक्त करना चाहता हूं कि आपने हम सभी को इस सफर में शामिल किया। आप प्रतिभाशाली और एक बेहतरीन इंसान हैं।'

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में लवलीना और निकहत से रहेंगी पदकों की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। 28 मार्च से 11 अप्रैल तक मंगोलिया में होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में 20 सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और विश्व चैंपियन रही निकहत ज़रीन करेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ ने कड़ी चयन प्रणाली के आधार पर इस चैम्पियनशिप के लिए अपनी टीम का चयन किया है। एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए चयनित किये गये संभावित खिलाड़ियों को पटियाला में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया गया था। एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले मुक्केबाजों को राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में अवसर मिलेगा। इस कारण इस चैंपियनशिप का महत्व और बढ़ गया है। लवलीना को 75 किग्रा वर्ग में महिला टीम के नेतृत्व की जिम्मेदारी मिली है। स्पेन में स्वर्ण जीतने वाली प्रीति 54 किग्रा, अरुंधति चौधरी 70 किग्रा और प्रिया 60 किग्रा को भी शामिल किया गया है। विश्व चैंपियन मीनाक्षी 48 किग्रा और जैस्मीन 57 किग्रा भी टीम का हिस्सा हैं। महिला वर्ग में निकहत ज़रीन 51 किग्रा में अगुवाई करेंगी। उनके साथ अंकुशिता बोरो 65 किग्रा, पूजा रानी 80 किग्रा, अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान 80 किग्रा रहेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने को उम्मीद है कि भारतीय खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करेंगी।

टी20 फ्रेंचाइजी खरीदेंगे द्रविड़ और अश्विन, रिपोर्ट में हुआ खुलासा

लंदन (एजेंसी)। दिग्गज खिलाड़ी राहुल द्रविड़ और रविचंद्रन अश्विन उस भारतीय समूह का हिस्सा हैं जो यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ETPL) में एक फ्रेंचाइजी खरीदने जा रहा है। बीबीसी स्पोर्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार गर्मियों में होने वाले छह टीमों के टूर्नामेंट में ग्लासगो स्थित फ्रेंचाइजी को खरीदने के लिए इस समूह ने एक समझौते पर सहमति जताई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ईटीपीएल नीदरलैंड के रॉटरडैम स्थित अपनी फ्रेंचाइजी को भी दक्षिण अफ्रीका के निवेशकों के एक समूह को बेचने की तैयारी में है। इस समूह में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी फाफ डुप्लेसी, हेनरिक क्लासेन और जोंटी रोड्स भी शामिल हैं। संभावना है कि इस महीने के आखिर में एक कार्यक्रम में दोनों फ्रेंचाइजी की आधिकारिक घोषणा की जाएगी। एम्स्टर्डम, बेलफास्ट और एडिनबर्ग में स्थित ईटीपीएल फ्रेंचाइजी को जनवरी में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के निवेशकों को बेच दिया गया था।

अभी यह पता नहीं चल पाया है कि अश्विन ईटीपीएल में खेलेंगे या नहीं। इस 39 वर्षीय खिलाड़ी ने दिसंबर 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास ले लिया था। अब वह वैश्विक फ्रेंचाइजी लीग में खेलने के लिए स्वतंत्र हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, 'अश्विन की भागीदारी बेहद दिलचस्प है। इससे उनके ईटीपीएल में खेलने की संभावना बन गई है, जो आयोजकों के लिए बड़ी उपलब्धि होगी।'

अश्विन ने भारत के लिए 106 टेस्ट, 116 वनडे और 65 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और कुल 765 विकेट लिए। द्रविड़ पूर्व में स्कॉटलैंड की क्रिकेट से जुड़े रहे हैं और माना जा रहा है कि यही कारण है कि उन्होंने ग्लासगो स्थित फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ने का फैसला किया।

स्कॉटलैंड जब इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में भाग लेता था तब द्रविड़ 2003 में उसके लिए खेले थे। भारत के दिग्गज बल्लेबाज द्रविड़ ने नेशनल क्रिकेट लीग में 11 मैच खेले, जिसमें उन्होंने तीन शतकों सहित 600 रन बनाए। द्रविड़ ने भारत के लिए 164 टेस्ट और 344 वनडे मैच खेले। उन्होंने इनमें 48 शतकों सहित 24,000 से अधिक रन बनाए। वह नवंबर 2021 से जून 2024 तक भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच भी रहे।

डायने पैरी ने वीनस विलियम्स को किया इंडियन वेल्स से बाहर

इंडियन वेल्स (कैलिफोर्निया)। फ्रांस की टेनिस खिलाड़ी डायने पैरी ने सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को पहले दौर के मुकाबले में हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया है। फ्रांस की डायने पैरी ने गुरुवार को दो घंटे 21 मिनट तक चले मुकाबले में अमेरिका की वीनस को 3-6, 6-7 (4), 1-6 से हराया। इसी के साथ वीनस का बीएनपी परिबास ओपन 2026 में अभियान समाप्त हो गया। बीएनपी परिबास ओपन को इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के नाम से भी जाना जाता है। वीनस विलियम्स ने इंडियन वेल्स में पदार्पण के 30 साल बाद की वापसी थी। उन्होंने पहली बार 1996 में 15 वर्ष की उम्र में इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। उन्हें इस टूर्नामेंट के एकल और युगल ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड दिया गया था।

टी20 विश्व कप : संजू सैमसन की हालिया इनिंग्स पर बोले रवि शास्त्री, इसी बदलाव की वजह से आए परिणाम

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि बल्लेबाजी करते समय संजू सैमसन मानसिक रूप से अधिक मजबूत हैं और टी-20 विश्वकप में उनके हालिया परिणाम इसी बदलाव की वजह से आए हैं।

शास्त्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि आखिरकार उन्हें यह एहसास हो गया है और वे इस बात को मान रहे हैं कि उन्हें और अधिक एकाग्र होने की आवश्यकता है। उन्हें अपने शॉट चयन में अधिक समझदारी दिखानी होगी और अपनी ताकत पर ध्यान देना होगा।संजू के साथ बात यह है कि उनके पास हर शॉट आता है, लेकिन एकाग्रता में कमी रह जाती है। मुझे लगता है कि वह मानसिक रूप मजबूत हो गया है और जब से वह टीम में आया है, तब से किसी को भी उसके कौशल या प्रतिभा पर शक नहीं हुआ है।'

शास्त्री ने कहा है कि उसका सर्वश्रेष्ठ फॉर्म अभी बाकी है क्योंकि भारतीय टीम में उसकी भूमिका अब साफ तौर पर तय है। उन्होंने कहा, 'वह अभी भी सिर्फ 31 साल का है और एक असली मैच-विनर है। और जब आप (आज) जैसे शॉट खेलते हुए देखते हैं, तो उसमें क्लास, टच, पावर और जबरदस्त फोर्स दिखती है। यह बस अविश्वसनीय है।' हालांकि सैमसन का फॉर्म भारत के लिए एक सुखद सरप्राइज रहा है, लेकिन साथी ओपनर अभिषेक शर्मा की हालिया कोशिशें न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले टी-20 विश्वकप के फाइनल से पहले कुछ चिंता का विषय हैं।

आईपीएल की तैयारियों के लिए 15 मार्च को अपने घरेलू मैदान पर उतरेगी आरसीबी : प्रसाद

मुम्बई। गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) आईपीलएल की तैयारियों के लिए 15 मार्च को अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में उतरेगी। अभी राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) इस स्टेडियम में सभी तैयारियों को पूरा करने के इंतजाम कर रहा है। केएससीए के अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद को उम्मीद है कि 15 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम के एकत्रित होने से पहले एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सभी जरुरी इंतजाम पूरे कर लिए जाएंगे। आरसीबी ने इससे पहले कहा था कि वह आईपीए 2026 के शुरुआती मैच सहित पांच लीग मैच इस स्टेडियम में खेलेगी जिसके साथ ही घरेलू मैदानों को लेकर जारी संदेश दूर हो गया था। प्रसाद ने कहा, ''हां, अब भी स्टेडियम में कुछ काम बचा हैं और जहां तक हमारा सवाल है यह तय समय सीमा के अंदर पूरा हो जाएगा जो हमने महेश्वर राव की अध्यक्षता वाली (राज्य द्वारा नियुक्त) विशेषज्ञ समिति को दी है।'' उन्होंने कहा, ''हमने उन्हें जितना हो सका उतना संतुष्ट कर दिया है।गौरतलब है कि पिछले साल आरसीबी के आईपीएल खिताब जीतने के बाद हुए समारोह में हुड़दंग मचने के बाद से ही चिन्नास्वामी स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे थे ।इस कारण इसमें मैचों के आयोजन पर भी रोक लगा दी गयी थी जो अब हटा दी गयी है।

टी20 विश्व कप : चक्रवर्ती की फॉर्म भारत के लिए चिंता, साथी क्रिकेटर बोला- वह अब भी तुरुप का इक्का

मुंबई (एजेंसी)। पिछले कुछ मैचों में वरुण चक्रवर्ती के खराब प्रदर्शन को देखकर लग रहा है कि उनकी रहस्यमयी गेंदबाजी का रहस्य अब सुलझता नजर आ रहा है लेकिन उनके साथी खिलाड़ी अब भी इस लेग स्पिनर को अपनी टीम का तुरुप का इक्का मानते हैं। अगर टीम प्रबंधन रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप के फाइनल में दुनिया के शीर्ष गेंदबाज को टीम में बनाए रखने का फैसला करता है, तो वह भारत के लिए कमजोर कड़ी साबित हो सकते हैं। टूर्नामेंट के सुपर आठ चरण के बाद से उनकी फॉर्म में लगातार गिरावट को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

चक्रवर्ती को टूर्नामेंट के अंतिम चरण में खराब प्रदर्शन करने के बाद अपने मन में मौजूद शंकाओं को दूर करने की जरूरत होगी। इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार को खेले गए सेमीफाइनल मैच में जैकब बेथेल ने चक्रवर्ती को अपने निशाने पर रखा था। इस भारतीय गेंदबाज ने चार ओवर में 64 रन देकर एक विकेट लिया। भारत के उप कप्तान अक्षर पटेल ने हाल ही में चक्रवर्ती से बातचीत की है और इस बात पर जोर दिया कि जब चीजें अनुकूल नहीं चल रही हों तब भी अपनी रणनीति पर कायम रहना कितना महत्वपूर्ण है।

अक्षर ने कहा, 'हमने चक्रवर्ती की मौजूदा समस्याओं के बारे में बात की है। हमने इस समय कई नॉकआउट मैच खेले हैं, इसलिए सही मानसिकता का होना बहुत महत्वपूर्ण है। कौशल और बाकी चीजें भी मायने रखती हैं, लेकिन हमने उससे यही कहा कि जब उसकी गेंदों पर रन बनने लगें तो अपनी रणनीति को नहीं बदलें।'

उन्होंने कहा, 'पहले आपकी रणनीति विकेट को निशाना बनाकर गेंदबाजी करने की होती है और फिर अचानक आप लाइन बदल देते हैं। दबाव वाली परिस्थितियों में गलतियां हो सकती हैं। हम उसे लगातार यही कहते रहते हैं कि तुम टीम के लिए तुरुप का इक्का हो। खुद पर भरोसा रखो और पूरे आत्मविश्वास के साथ गेंदबाजी करो।'

वरुण ने सेमीफाइनल से पहले नेट पर जमकर अभ्यास किया, लेकिन पावरप्ले में गेंदबाजी करने के बाद वह अपनी लय हासिल नहीं कर पाए। इंग्लैंड ने चक्रवर्ती के लिए पूरी तैयारी कर रखी थी और बाएं हाथ के बल्लेबाज बेथेल ने उन्हें किसी भी समय लय हासिल नहीं करने दी। उन्होंने चक्रवर्ती के पहले ही ओवर में तीन छक्के जड़े। बेथेल ने चक्रवर्ती की 13 गेंदों में 42 रन बनाए। चक्रवर्ती पिछले कुछ समय से बहुत शॉर्ट या फिर ओवर पिच गेंदबाजी कर रहे हैं जिससे बल्लेबाजों के लिए उनकी गेंदों को समझना आसान हो गया है।

अक्षर ने कहा, 'अगर आप देखें तो कुछ छक्के खाने के बाद भी उसने जोस बटलर का विकेट लिया। वह नंबर एक टी20 गेंदबाज है और वह जानता है कि उसे क्या करना है। यह मानसिकता की बात है। हमें अभी एक और मैच खेलना है और उम्मीद है कि वह फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।'

भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि चक्रवर्ती को अपनी गति कम करनी होगी। हरभजन ने कहा, 'वह मैच विजेता गेंदबाज है लेकिन शुरुआत से ही निशाना बनाए जाने पर कोई भी गेंदबाज दबाव में आ जाता है। तेज गति के अलावा वह सही लेंथ से गेंदबाजी नहीं कर पा रहा है। विकेट को निशाना बनाकर गेंदबाजी करना उसका मजबूत पक्ष है लेकिन कई बार उसने अपनी इस रणनीति से हटकर वाइड गेंदें फेंकी हैं। वह दबाव में हैं। उसे बस इतना करना है कि वह नेट पर जमकर अभ्यास करे।'

एशियन कप में जापान से भिड़ेगी भारतीय महिला फुटबॉल टीम

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया)। भारतीय सीनियर महिला नेशनल टीम शनिवार को रेक्टेंगुलर स्टेडियम में एएफसी महिला एशियन कप ऑस्ट्रेलिया 2026 के अपने दूसरे ग्रुप सी मुकाबले में मजबूत जापान से भिड़ेगी। फीफा महिला वर्ल्ड रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज जापान को ब्लू टाइग्रेसेस (67वें स्थान पर) पर साफ बढ़त मिली है, क्योंकि उसने पिछले तीनों मैच जीते हैं। नादेशिको ने इन तीन मैचों में 19 बार गोल किए हैं। वहीं अपने पहले मैच में वियतनाम से 1-2 से हारने के बावजूद भारत अभी ग्रुप में तीसरे स्थान पर है। भारत को वियतनाम के खिलाफ मैच में मिली हार से उबरने के लिए दो दिन मिले हैं और जापान के खिलाफ मुकाबले के लिए अपने खिलाड़ियों को अच्छी हालत में वापस लाना मुख्य कोच अमेलिया वाल्वर्डे की प्राथमिकताओं की सूची में सबसे ऊपर है। वाल्वर्डे ने कहा, 'हम जानते हैं कि जापान एक ऐसी टीम है जो बहुत जोश के साथ पजेशन रखना पसंद करती है। उन्हें गेम पर हावी होना पसंद है, लेकिन हमें अपना गेम स्वयं तैयार करना होगा। हमें उम्मीद है कि हम शानदार प्रदर्शन करेंगे, फिर से बहुत कॉम्पिटिटिव होंगे, जैसा हम पिछले बुधवार को थे। हम गेम के पहले मिनट से ही कोशिश करेंगे। हमें अपनी एनर्जी अपनी टीम पर फोकस करने की आवश्यकता है।'

'भारत खुशकिस्मत है कि बुमराह जैसा गेंदबाज हमारे पास है': पूर्व ऑलराउंडर

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की रोमांचक जीत के बाद तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी चर्चा का केंद्र बन गई है। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने बुमराह की तारीफ करते हुए कहा कि भारत बेहद खुशकिस्मत है कि ऐसा गेंदबाज टीम के लिए खेलता है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में बुमराह की डेथ ओवर गेंदबाजी ने मैच का रुख पलट दिया। पठान का मानना है कि बुमराह जैसे गेंदबाज पीढ़ियों में एक बार ही देखने को मिलते हैं।

इरफान पठान ने बुमराह की जमकर की तारीफ

इरफान पठान ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा कि जसप्रीत बुमराह भारत को मिला एक बेहद खास गेंदबाज है। उनके अनुसार क्रिकेट इतिहास में बहुत कम गेंदबाज ऐसे हुए हैं जिनके पास इतनी विविधता और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता हो। पठान ने कहा कि बुमराह के पास यॉर्कर, स्लोअर बॉल, इनस्विंग, आउटस्विंग और बाउंसर जैसी हर तरह की गेंद है, जिससे वह किसी भी बल्लेबाज को मुश्किल में डाल सकते हैं। उनका मानना है कि भारत को पहले कभी बुमराह जैसा गेंदबाज नहीं मिला और दुनिया में भी इस तरह के गेंदबाज बेहद कम देखने को मिलते हैं।

डेथ ओवर में बुमराह ने बदला मैच का रुख

सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 253/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसमें संजू सैमसन की 89 रन की शानदार पारी शामिल थी। जवाब में इंग्लैंड ने दमदार बल्लेबाजी की और मैच आखिरी ओवरों तक रोमांचक बना रहा। लेकिन मुकाबले का सबसे अहम मोड़ तब आया जब जसप्रीत बुमराह ने 18वां ओवर फेंका। उस समय इंग्लैंड को आखिरी तीन ओवरों में 45 रन की जरूरत थी, लेकिन बुमराह ने अपने ओवर में सिर्फ छह रन दिए और चार सटीक यॉर्कर डाले। इस शानदार ओवर ने इंग्लैंड पर दबाव बढ़ा दिया।

हार्दिक पांड्या ने बढ़ाया दबाव

बुमराह के शानदार ओवर के बाद हार्दिक पांड्या ने 19वें ओवर में बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया। उन्होंने इस ओवर में सिर्फ नौ रन दिए और खतरनाक बल्लेबाज सैम करन को आउट कर दिया। अंत में इंग्लैंड की टीम 246/7 तक ही पहुंच सकी और भारत ने सात रन से मुकाबला जीतकर फाइनल में जगह बना ली।

बुमराह को मिलना चाहिए था प्लेयर ऑफ द मैच

इरफान पठान का मानना है कि इस मुकाबले में बुमराह को प्लेयर ऑफ द मैच चुना जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि यह मैच एक बेहद फ्लैट पिच पर खेला गया था, जहां लगभग 500 रन बने। पठान के मुताबिक ऐसे हालात में जहां बाकी गेंदबाज 10 या उससे ज्यादा इकॉनमी से रन दे रहे थे, वहां बुमराह ने रन पर शानदार नियंत्रण बनाए रखा। उनका कहना है कि कठिन परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी ही असली मैच विनर होता है।

क्रिकेटिंग इंटेलिजेंस ने दिलाया अहम विकेट

पठान ने बुमराह की क्रिकेटिंग समझ की भी खास तौर पर तारीफ की। उन्होंने बताया कि जब बुमराह गेंदबाजी करने आए तो उनके सामने इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक थे। बुमराह ने तेज गेंद फेंकने की बजाय चतुराई दिखाते हुए स्लोअर बॉल का इस्तेमाल किया, क्योंकि उन्हें पता था कि ब्रूक तेज गेंदों को पसंद करते हैं। इस रणनीति ने काम किया और ब्रूक का कैच अक्षर पटेल ने लपक लिया।

फाइनल में न्यूजीलैंड से होगा मुकाबला

सेमीफाइनल मुकाबले में भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने चार ओवर में 1/33 का प्रभावी स्पेल डाला, जबकि अक्षर पटेल और हार्दिक पांड्या ने भी अहम विकेट लेकर टीम की जीत में योगदान दिया। अब भारत का सामना फाइनल में न्यूजीलैंड से होगा। यह मुकाबला 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां भारतीय टीम एक और आईसीसी खिताब जीतने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

फॉर्मूला वन ऑस्ट्रेलियाई ग्रैंड प्रिक्स के कार्यक्रम में बदलाव नहीं : औल्ड

मेलबर्न। खाड़ी में जारी संघर्ष के बाद भी फॉर्मूला वन ऑस्ट्रेलियन ग्रैंड प्रिक्स का आयोजन तय समय पर ही किया जाएगा। इसकी अभ्यास रेस 6 मार्च से शुरु होगी। वहीं मुख्य रेस 8 मार्च को होगी। ऑस्ट्रेलियाई ग्रैंड प्रिक्स कॉर्पोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ट्रैविस औल्ड ने कहा है कि अधिकारियों, टीम सदस्यों और ड्राइवरों पर इस संघर्ष का कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा है। ऐसे में सत्र की इस पहली रेस के कार्यक्र में बदलाव नहीं होगा। औल्ड ने माना है कि ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के करण बड़े स्तर पर उड़ानों के रद्द होने से कुछ टीमों को अपनी यात्रा योजनाएं बदलनी पड़ी हैं। इसी को देखते हुए कि फॉर्मूला वन टीम के अधिकारी इस प्रयास में लगे हैं कि ड्राइवर और टीम के लोग वैकल्पिक रास्तों से सुरक्षित रुप से मेलबर्न पहुंच सकें। औल्ड ने कहा, हर कोई रेस के लिए यहां आने तैयार है , इससे प्रशंसकों को तय कार्यक्रम के अनुसार ही रेस देखने को मिलेगी जो उनके लिए भी राहत की बात है । उन्होंने कहा, कुछ ड्राइवर और कुछ टीम सदस्य पहले से ही ऑस्ट्रेलिया में हैं पर ब्रिटेन और यूरोप से कई सदस्यों को आना है जिसमें रेसर भी शामिल हैं। ऐसे में इन्हें कोई अन्य वैकल्पिक रास्ता देखना होगा। मुझे भरोसा है कि वे लोग भी इस बारे में विचार कर रहे होंगे। वहीं स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दो हजार एफ वन कर्मचारियों को पश्चिम एशिया में फंसने से बचने के लिए यूरोप से मेलबर्न के लिए अपनी उड़ानों को फिर से पुर्नप्रबंधित करना होगा। फार्मुला वन करीब 500 स्टाफर्स को तीन विशेष उड़ानो से लाने का प्रयास कर रहा है।

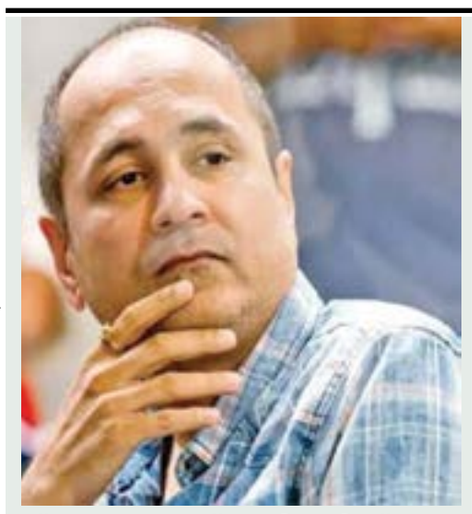

थिएटर मालिकों को मिल रही धमकियां : विपुल शाह

बॉलीवुड फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' के निर्माता विपुल अमृतलाल शाह का आरोप है कि केरल और चेन्नई के कई सिनेमाघरों पर फिल्म न दिखाने का दबाव बनाया जा रहा है। विपुल शाह ने दोनों राज्यों के प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है। उनका कहना है कि थिएटर मालिकों को धमकियां मिल रही हैं ताकि वे फिल्म की स्क्रीनिंग रोक दें। उन्होंने कहा कि अदालत का आदेश स्पष्ट है और उसका पालन होना चाहिए। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जब फिल्म पर स्टे था, तब टीम ने पूरी तरह कानून का सम्मान किया और किसी भी तरह की अवैध स्क्रीनिंग नहीं की। ऐसे में यदि केवल फिल्म निर्माता से कानून पालन की अपेक्षा रखी जाए और धमकी देने वालों के खिलाफ कार्रवाई न हो, तो न्याय व्यवस्था का संतुलन बिगड़ जाता है। शुक्रवार को केरल हाई कोर्ट ने फिल्म की रिलीज पर लगी अंतरिम रोक हटा दी थी। यह फैसला डिवीजन बेंच द्वारा स्टे हटाए जाने के बाद आया, जो पहले सिंगल बेंच ने लगाया था। अदालत के आदेश के बाद फिल्म की स्क्रीनिंग का रास्ता साफ हुआ और फिल्म दोबारा सिनेमाघरों में दिखाई जाने लगी। विपुल शाह का दावा है कि जिन स्थानों पर फिल्म प्रदर्शित हो रही है, वहां दर्शकों का रिएक्शन बेहद सकारात्मक है। थिएटर मालिक और डिस्ट्रीब्यूटर भी फिल्म के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं और आने वाले दिनों में शो और स्क्रीन बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। कलेक्शन की बात करें तो कामाख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी 'द केरल स्टोरी 2' ने पहले दिन 75 लाख रुपये कमाए थे। दूसरे दिन 4.65 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फिल्म का कुल कलेक्शन 5.40 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। बता दें कि विपुल अमृतलाल शाह और सुदिप्तो सेन की फिल्म 'द केरल स्टोरी' लंबे समय तक विवादों में घिरी रही थी। फिल्म की रिलीज पर केरल हाई कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक ने मामले को और तूल दिया, लेकिन 27 फरवरी को अदालत से हरी झंडी मिलने के बाद इसके सीक्वल 'द केरल स्टोरी 2' आखिरकार सिनेमाघरों तक पहुंच गई।

सोनू सूद फिर आए मदद को आगे

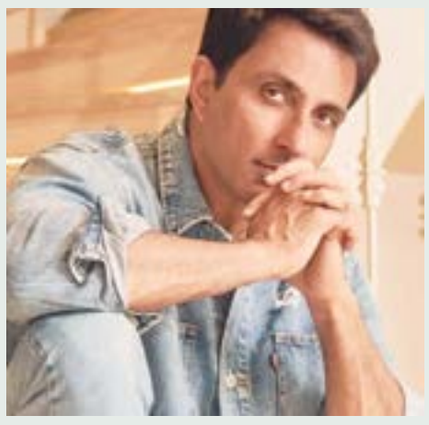

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद एक बार फिर जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आए हैं। इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण कई देशों में हवाई सेवाएं प्रभावित हुई हैं, जिससे दुबई में कई लोग फंस गए हैं। इस स्थिति को देखते हुए सोनू सूद ने वहां फंसे लोगों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की पेशकश की है। अभिनेता ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि जो लोग दुबई में फंसे हुए हैं और असहाय महसूस कर रहे हैं, वे उनसे संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनकी टीम जरूरतमंदों को सुरक्षित रहने की व्यवस्था कराने में हर संभव मदद करेगी। सोनू सूद इससे पहले भी कई मानवीय कार्यों के लिए चर्चा में रह चुके हैं। कोविड-19 के दौरान उन्होंने हजारों प्रवासी मजदूरों को उनके घर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद से लोग उन्हें 'मसीहा' के नाम से भी पुकारने लगे। फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स ने इस पहल की जमकर सराहना की है। लोगों का कहना है कि कठिन परिस्थितियों में भी सोनू सूद हमेशा मदद के लिए तैयार रहते हैं।

संदीपा ने की अपनी फिल्म दो दीवाने सहर में की तारीफ

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म दो दीवाने सहर में अभिनेत्री संदीपा धर नजर आईं। इस फिल्म में संदीपा ने नैना नाम की एक ऐसी लड़की का किरदार निभाया है जो बाहर से तो परफेक्ट दिखती है, लेकिन अंदर से बेहद अकेली है। अपने किरदार के बारे में संदीपा ने बताया कि इस फिल्म को चुनने की सबसे बड़ी वजह नैना का जटिल और गहराई वाला किरदार था। उनके अनुसार, बाहरी खुशहाल छवि के पीछे छिपी उथल-पुथल और टूटे हुए एहसासों को परदे पर दिखाना एक कलाकार के रूप में चुनौतीपूर्ण होने के साथ बेहद रोमांचक भी रहा। संदीपा ने फिल्म की कहानी की भी जमकर तारीफ की और कहा कि लंबे समय बाद दर्शकों के सामने ऐसी अनूठी प्रेम कहानी आई है, जो सामान्य रोमांस से अलग है। यह दो ऐसे लोगों की कहानी है जो अपनी-अपनी कमजोरियों को पहचानते हैं, उन्हें स्वीकार करते हैं और एक-दूसरे को अपनाते हुए अपनी जिंदगी में आगे बढ़ते हैं। उनके मुताबिक, हीरो-हीरोइन द्वारा अपनी कमियों को स्वीकारते हुए प्यार चुनने वाली कहानियां आजकल बहुत कम देखने को मिलती हैं। फिल्म की रिलीज के बाद संदीपा धर बेहद संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म बिल्कुल उसी तरह बनी है जैसा उन्होंने उम्मीद की थी और उनका किरदार भी दर्शकों द्वारा उसी रूप में स्वीकार किया गया। उन्होंने बताया कि फिल्म के दूसरे हिस्से में उनका और अभिनेत्री मृणाल ठाकुर का टकराव वाला सीन काफी महत्वपूर्ण था, और यह दर्शकों के बीच खासा चर्चित भी रहा। कई लोगों ने उस सीन से खुद को जोड़कर उनकी तारीफ की है। फिल्म का निर्देशन रवि उदयवार ने किया है, जबकि इसे प्रतिष्ठित फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली, प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। संदीपा ने भंसाली के प्रोडक्शन हाउस में काम करने के अनुभव को खास बताते हुए कहा कि उनका विजुअल विजन हमेशा की तरह बेहद प्रभावशाली है।

'सैयारा' की सफलता के बाद अहान पांडे ने झेली महीनों तकलीफ़

अपनी डेब्यू फिल्म सैयारा से साल 2025 में बॉलीवुड के उभरते अभिनेता अहान पांडे ने धमाकेदार पहचान बनाई थी। इस सफलता के पीछे एक ऐसा दर्द था, जिसे अब अहान ने पहली बार साझा किया है। एक्टर ने खुलासा किया कि फिल्म रिलीज होने के तुरंत बाद उन्हें जिंदगी की सबसे तकलीफदेह सर्जरी से गुजरना पड़ा, जिसने उन्हें महीनों तक सामान्य जीवन से दूर रखा। अहान ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्हें पिछले साल एक बड़ी सर्जरी करानी पड़ी, जो बेहद दर्दनाक रही। उन्होंने कहा कि उनका शरीर इतनी परेशानी से गुजरा कि लंबे समय तक वे न तो सामान्य तौर पर चल-फिर पा रहे थे और न ही वजन उठा पा रहे थे। यह स्थिति उनके लिए शारीरिक और मानसिक, दोनों स्तर पर चुनौती बन गई। कुछ साल पहले हुए एक स्नोमोबाइल हादसे का असर उनके कंधे पर गंभीर रूप से पड़ा था। चोट इतनी गहरी थी कि समय के साथ यह बढ़ती ही चली गई और जिम में वर्कआउट करना उनके लिए लगभग असंभव हो गया। आखिरकार उन्होंने सर्जरी का निर्णय लिया, हालांकि डॉक्टर ने उन्हें पहले ही चेतावनी दे दी थी कि ऑपरेशन के बाद उनका शरीर पहले जैसा नहीं रह पाएगा और फिल्मों के लिए जरूरी फिजिक हासिल करना उनके लिए बेहद मुश्किल होगा। अहान के मुताबिक, वह हमेशा उन एक्टर्स से प्रेरणा लेते रहे हैं जो जिम में जाकर अपनी बॉडी में जबरदस्त बदलाव लाने में सफल होते हैं। लेकिन उनका मामला बिल्कुल अलग था—वे अनहेल्दी शरीर नहीं, बल्कि एक गंभीर चोट से जूझ रहे थे। उन्होंने बताया कि पहले चलना-फिरना भी मुश्किल था, फिर वे वजन नहीं उठा पाते थे, और अंत में महीनों की मेहनत के बाद वे फिर से वेटलिफ्टिंग करने की स्थिति में आए। सर्जरी के बाद वे लंबे समय तक हाथ पर प्लास्टर बांधे रहे, लेकिन उन्होंने इसे सार्वजनिक नहीं होने दिया। अपने दर्द को छुपाकर उन्होंने खुद को दोबारा खड़ा किया और अब वापस अपने फिटनेस रूटीन में लौट आए हैं। अहान पांडे की कहानी सिर्फ एक अभिनेता की सफलता का किस्सा नहीं है, बल्कि यह उन कठिन रास्तों की भी दास्तान है, जिन्हें वे पर्दे के पीछे चुपचाप पार करते हैं। 'सैयारा' की सफलता के बाद आज अहान का नाम तेजी से ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है, लेकिन इस सफर में उनकी जिद, जुझारूपन और संघर्ष सबसे ज्यादा चमकते हुए नजर आते हैं। बता दें कि मोहित सूरी के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई और अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली लव स्टोरी फिल्म बन गई।

श्रद्धा और वरुण के बचपन की कहानी है बेहद दिलचस्प

एक इंटरव्यू में बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने खुलासा किया कि जब वह केवल 8 साल की थीं, तब उन्होंने वरुण को प्रपोज किया था। दोनों अपने-अपने पिता के साथ एक फिल्म के सेट पर गए थे। वहां खेलने के दौरान वे एक छोटी पहाड़ी पर चढ़ गए और इसी मासूमियत भरे माहौल में श्रद्धा ने वरुण के सामने अपना दिल खोल दिया। श्रद्धा कपूर और वरुण धवन की ऑन-स्क्रीन जोड़ी हमेशा पसंद की जाती रही है, लेकिन इन दोनों की बचपन की एक कहानी इससे भी ज्यादा दिलचस्प है। श्रद्धा ने बताया कि उन्होंने वरुण को प्रपोज करने के लिए एक मजेदार तरीका निकाला। उन्होंने कहा कि वह कुछ उल्टा बोलेंगी और वरुण को उसे समझना होगा। श्रद्धा ने मजाक में कहा 'यू लव आई' जो उल्टा पढ़ने पर 'आई लव यू' होता है। इस पर छोटे वरुण घबरा गए और बोले, 'मुझे लड़कियां पसंद नहीं हैं,' ' और तुरंत वहां से दौड़कर भाग गए। श्रद्धा ने यह किस्सा एक यूट्यूब इंटरव्यू में हंसते हुए साझा किया था। बड़े होकर दोनों कई फिल्मों में साथ नजर आए। दोनों ने एबीसीडी 2, स्ट्रीट डांसर 3डी में शानदार केमिस्ट्री दिखाई। इसके अलावा, वे स्त्री 2 में भी स्पेशल अपीयरेंस में नजर आए, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। साल 2010 में श्रद्धा कपूर ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत फिल्म तीन पत्ती से की थी। 2011 में वह लव का द एंड में दिखाई दीं, लेकिन उन्हें असली पहचान मिली मोहित सूरी की रोमांटिक फिल्म आशिकी 2 से। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता आदित्य रॉय कपूर थे। फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई और श्रद्धा को कई अवॉर्ड नॉमिनेशन मिले। फिल्म में आदित्य रॉय कपूर ने गायक राहुल जयकर की भूमिका निभाई थी, जो शराब की लत के कारण अपना करियर खो देता है, जबकि श्रद्धा ने आरोही शिरके का किरदार निभाया, जो उनकी मदद से एक सफल सिंगर बनती है। इसके बाद श्रद्धा ने कई सफल फिल्मों में काम किया, जिनमें एक विलेन, बागी, हाफ गर्लफ्रेंड, स्त्री, छिछोरे, और तू झूठी मैं मक्कार शामिल हैं। हाल ही में उनकी फिल्म स्त्री 2 ने दुनियाभर में 800 करोड़ से ज्यादा की कमाई करते हुए बड़ी हिट साबित हुई।

बॉलीवुड को अक्सर गलत तरीके से किया जाता है पेश: सुनील शेट्टी

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री की लगातार खराब की जा रही छवि पर हाल ही में अभिनेता सुनील शेटटी ने खुलकर अपनी बात रखी है। एक इवेंट में उन्होंने कहा कि हिंदी फिल्म जगत को अक्सर गलत तरीके से पेश किया जाता है, जबकि इंडस्ट्री में ऐसे कई कलाकार और तकनीशियन हैं, जो पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ गुणवत्तापूर्ण सिनेमा बनाने के लिए समर्पित हैं। उनका कहना था कि दर्शकों को यह समझना चाहिए कि पूरी इंडस्ट्री नकारात्मकता से भरी नहीं होती। सुनील के मुताबिक, बॉलीवुड से जुड़े लोग लगातार सुर्खियों में रहते हैं, इसलिए उनके बारे में सकारात्मक से ज्यादा नकारात्मक बातें फैलती हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप एक्टर, सिंगर, खिलाड़ी या एंटरटेनर होते हैं, तो आप हमेशा जनता की नजरों में रहते हैं। ऐसे में आपके बारे में अच्छी और बुरी दोनों तरह की बातें कही जाती हैं, जो कई बार स्थिति को चुनौतीपूर्ण बना देती हैं।' उन्होंने आगे कहा कि बॉलीवुड पर अक्सर गलत नैरेटिव थोप दिया जाता है। कई लोग मानते हैं कि अगर ड्रग्स या मी टू जैसे मामले सामने आए हैं तो वे केवल फिल्म इंडस्ट्री तक सीमित हैं, जबकि हकीकत यह है कि ऐसा समाज के हर हिस्से में होता है। सुनील के अनुसार इंडस्ट्री में बड़ी संख्या में मेहनती, सजग और प्रतिभाशाली लोग काम कर रहे हैं, लेकिन नकारात्मक कंटेंट आज के समय में टीआरपी और व्यूज का आसान जरिया बन चुका है, इसलिए आलोचना ज्यादा दिखाई देती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आज मुद्दा यह नहीं रहा कि खबर सही है या नहीं, बल्कि यह कि कौन इसे सबसे पहले प्रस्तुत करता है। बातचीत के दौरान सुनील ने अपने बेटे अहान शेटटी को दी गई सीख के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि वे हमेशा अहान को पहले एक अच्छा इंसान बनने की सलाह देते हैं, क्योंकि इंसानियत ही किसी को लंबी दौड़ का खिलाड़ी बनाती है। अहान हाल ही में फिल्म बार्डर 2 में नजर आए थे, जो सुनील शेट्टी की प्रतिष्ठित फिल्म 'बॉर्डर' का स्पिरिचुअल सीक्वल है। यह फिल्म 23 जनवरी को रिलीज हुई और भारत में 327 करोड़ रुपये की शानदार कमाई कर बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता बन गई।

छलका आयशा खान का दर्द

एक्ट्रेस आयशा खान इन दिनों अपने हालिया खुलासों को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने बताया कि एक बार उन्हें केवल शरीर के आकार के कारण एक गाने से बाहर कर दिया गया था। आयशा ने कहा कि उन्हें 'मोटी' कहकर प्रोजेक्ट से हटाया गया, जिससे उन्हें काफी मानसिक आघात पहुंचा। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने यह भी खुलासा किया कि सोशल मीडिया पर उन्हें रोजाना अश्लील संदेश और धमकियां मिलती हैं। आयशा के मुताबिक इंस्टाग्राम पर कई लोग उन्हें सेक्शुअलाइज करते हैं और कुछ यूजर्स तो रेप की धमकियां तक देते हैं। अभिनेत्री ने कहा कि इस तरह की घटनाएं मानसिक रूप से बेहद परेशान करने वाली होती हैं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उनका मानना है कि कलाकारों को भी सम्मान और सुरक्षित माहौल मिलना चाहिए। आयशा खान हाल ही में फिल्म 'धुरंधर' के गाने 'शरारत' में नजर आई थीं, जिसमें उनकी परफॉर्मेंस को दर्शकों ने काफी पसंद किया। इसके बावजूद उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में बॉडी शेमिंग और ऑनलाइन ट्रोलिंग जैसी समस्याएं अब भी गंभीर रूप से मौजूद हैं।

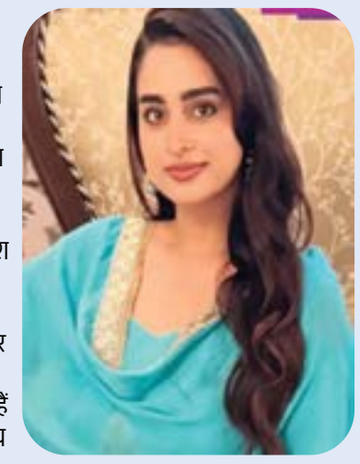

फिल्म मालामाल विकली का बनने जा रहा है सीक्वल

कॉमेडी से भरपूर फिल्म मालामाल विकली का सीक्वल बनने जा रहा है। करीब बीस पूर्व रीलिज हुई प्रियदर्शन की इस कल्ट कॉमेडी ने एक गुम हुए लॉटरी टिकट की कहानी को लेकर दर्शकों को खूब हंसाया था। अब इसके सीक्वल की खबर से फैंस फिर से उत्साहित हैं। फिल्म में परेश रावल राजपाल यादव, रितेश देशमुख और दिवंगत ओम पुरी ने यादगार भूमिकाएं निभाई थीं। हालांकि 'मालामाल वीकली 2' की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है, मगर फिल्म के मुख्य अभिनेता परेश रावल ने इस खबर पर अपनी मुहर लगा दी है। उन्होंने बताया, "हां, यह सच है। मैं इस फिल्म का हिस्सा हूं और हम इसे कर रहे हैं।" पहली फिल्म में लॉटरी टिकट बेचने वाले लीलाराम की भूमिका निभाने वाले परेश रावल दोबारा इसी किरदार में कमाल दिखाने की तैयारी में हैं। दिलचस्प रूप से, साल 2012 में कमाल धमाल मालामाल रिलीज़ हुई थी, जिसे 'मालामाल वीकली' का रीबूट माना गया था। इसमें भी परेश रावल के साथ राजपाल यादव, ओम पुरी और नाना पाटेकर ने बेहतरीन अभिनय से कॉमेडी का स्तर ऊंचा रखा था। हालांकि उस समय इसे आधिकारिक सीक्वल नहीं कहा गया था, लेकिन इस बार फिल्म के सीधे सीक्वल की पुष्टि ने पुराने दर्शकों की यादें ताजा कर दी हैं। इस बीच परेश रावल दूसरी फिल्म भागमभाग 2 को लेकर भी चर्चा में हैं, जो उनकी 2006 की सुपरहिट फिल्म का सीक्वल है।

इस बार फिल्म में बड़ा बदलाव यह है कि गोविंदा की जगह मनोज बाजपेयी नजर आएंगे, जिससे कहानी और प्रस्तुति में नए रंग जुड़ने की उम्मीद है। वर्कफ्रंट की बात करें तो परेश रावल आने वाले महीनों में कई बड़ी फिल्मों के साथ दर्शकों के बीच लौटने वाले हैं। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी फिल्म भूत बंगला में वे अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगे, जो 10 अप्रैल 2026 को रिलीज होगी। इसके साथ ही, सुपरहिट तिकड़ी अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल फिर से दर्शकों का मनोरंजन करेगी क्योंकि अभिनेता फिल्में वेलकम टू द जंगल और हेराफेरी 3 में भी नजर आएंगे।

पीएम मोदी 8 मार्च को दिल्ली में लगभग 33,500 करोड़ रुपये की लागत से कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे

■ प्रधानमंत्री दिल्ली मेट्रो के मजलिस पार्क - मौजपुर बाबरपुर (पिंक लाइन) और दीपाली चौक ■ मजलिस पार्क (मैजेंटा लाइन) कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे ■ प्रधानमंत्री दिल्ली मेट्रो के चरण 5-ए विस्तार के तहत तीन नए कॉरिडोर की आधारशिला भी रखेंगे ■ प्रधानमंत्री जनरल पूल रेजिडेंशियल अकोमोडेशन (जीपीआरए) पुनर्विकास योजना के तहत कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे ■ इन परियोजनाओं का पुनर्विकास एक अभिनव, आत्मनिर्भर वित्तीय मॉडल के माध्यम से किया गया है, जिससे सरकारी खजाने पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा

नई दिल्ली, (पीआईबी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 8 मार्च को दोपहर करीब 12 बजे दिल्ली में लगभग 33,500 करोड़ रुपये की अनेक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर वे सभा को संबोधित भी करेंगे। कार्यक्रम से पहले, प्रधानमंत्री सरोजिनी नगर स्थित जीपीआरए टाइप-5 क्वार्टरों का दौरा करेंगे और महिला आवंटियों को चाबियां सौंपेंगे। प्रधानमंत्री करीब 18,300 करोड़ रुपये की लागत से दिल्ली मेट्रो परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री दिल्ली मेट्रो के दो नए कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे। इनमें लगभग 12.3 किलोमीटर का मजलिस पार्क-मौजपुर बाबरपुर (पिंक लाइन) कॉरिडोर और लगभग 9.9 किलोमीटर का दीपाली चौक-मजलिस पार्क (मैजेंटा लाइन) कॉरिडोर शामिल है। नई कनेक्टिविटी से बुराड़ी, जगतपुर-वजीराबाद, खजूरी खास, भजनपुरा, यमुना विहार, मधुबन चौक, हैदरपुर बादली मोड़, भलस्वा, मजलिस पार्क समेत दिल्ली के कई इलाकों को फायदा होगा। प्रधानमंत्री दिल्ली मेट्रो के चरण 5-ए के अंतर्गत लगभग 16.10 किलोमीटर लंबे तीन नए कॉरिडोर की आधारशिला भी रखेंगे। ये तीन नए कॉरिडोर : आरके आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ, एयरोसिटी से इंदिरा गांधी एयरपोर्ट टर्मिनल-1 और तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज हैं। ये कॉरिडोर राष्ट्रीय राजधानी के कई महत्वपूर्ण स्थानों को सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेंगे और नोएडा, दक्षिण दिल्ली और हवाई अड्डे के बीच यात्रा करने वाले लोगों के लिए कनेक्टिविटी में सुधार करेंगे। प्रधानमंत्री जनरल पूल रेजिडेंशियल अकोमोडेशन (जीपीआरए) पुनर्विकास योजना के तहत 15,200 करोड़ रुपये की कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे। ये परियोजनाएं सरोजिनी नगर, नेताजी नगर, कस्तूरबा नगर और श्रीनिवासपुरी जैसे प्रमुख स्थानों पर संचालित हैं। ये जीपीआरए कॉलोनियों के आधुनिकीकरण और सरकारी कर्मचारियों तथा प्रशासनिक कार्यालयों के लिए विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम का हिस्सा हैं। इन परियोजनाओं का पुनर्विकास एक नवोन्मेषी आत्मनिर्भर वित्तीय मॉडल के माध्यम से किया गया है, जो यह सुनिश्चित करता है कि पुनर्विकास सरकारी खजाने पर बोझ डाले बिना किया जाए। इस मॉडल के तहत, सरकार परियोजना क्षेत्र के एक सीमित हिस्से को वाणिज्यिक और आवासीय स्थान के लिए विकसित और मुद्रीकृत कर रही है ताकि पूरी परियोजना का वित्तपोषण किया जा सके। इससे प्राप्त राजस्व का उपयोग आधुनिक सरकारी आवास, संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर और सार्वजनिक सुविधाओं के पुनर्विकास के लिए किया जा रहा

है। पुनर्विकास योजना के तहत सरकारी कर्मचारियों के लिए 9,350 से अधिक आधुनिक फ्लैट उपलब्ध कराए जाएंगे और साथ ही लगभग 48 लाख वर्ग फुट का कार्यालय स्थान भी सृजित किया जाएगा, जिससे प्रशासनिक दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और साथ ही आर्थिक लाभ की संभावना भी होगी।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने किया महाराष्ट्र का बजट पेश

■ डायबिटीज का इलाज, कैंसर की दवाएं, स्पोर्ट्स का सामान, मेडिकल सामान और सोलर पैनल हुआ सस्ता ■ शराब, सिगरेट एवं तंबाकू प्रोडक्ट हुआ महंगा

मुंबई, (ईएमएस)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार दिनांक 6 मार्च को विधानसभा में महाराष्ट्र का बजट पेश किया। महाराष्ट्र के इतिहास में पहली बार मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बजट पेश किया। खास बात यह है कि दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बजट का ज़्यादातर हिस्सा तैयार किया था। लेकिन, अजित पवार की अचानक मौत के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बजट पेश किया। मुख्यमंत्री फडणवीस सदन को बताया कि आज का बजट 2047 के विकास की ओर है। महात्मा फुले की जयंती को 200 साल पूरे हो रहे हैं। इसके लिए एक कमेटी बनाई जाएगी और अलग-अलग कार्यक्रम करने के लिए फंड दिया जाएगा। बाबासाहेब अंबेडकर की सौवीं जयंती के मौके पर रायगढ़ में इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं बनाई जाएंगी। इसे सामाजिक समरसता के साल के तौर पर मनाया जाएगा। बालासाहेब ठाकरे के मेमोरियल का काम पूरा हो गया है। राज्य में कुछ योजनाएं शुरू की जाएंगी। देवेंद्र फडणवीस ने कहा, मेरा दिल भारी है। अजितदादा ने 11 बार बजट पेश किया। उनके सख्त स्वभाव की वजह से अनुशासन बना रहा। उनके सम्मान में एक बड़ा मेमोरियल बनाया जाएगा। उनके नाम पर एक नागरिक अवॉर्ड शुरू किया जाएगा। देवेंद्र फडणवीस ने कहा, यह बजट उनके लिए पेश किया गया है। साथ ही, अजित पवार आज हमारे बीच नहीं हैं, उनके जाने से कमी पूरी नहीं हो सकती। उन्हें एक मेहनतकश के तौर पर जाना जाता था। देवेंद्र फडणवीस ने यह भी बताया कि जल्द ही उनके लिए एक मेमोरियल बनाया जाएगा।

महाराष्ट्र के बजट में 10 बड़ी घोषणाएं

1) मुख्यमंत्री ने कहा, यह बजट 2047 के विकास के लिए है। महात्मा फुले की जयंती मनाई जा रही है। इसके लिए एक कमेटी बनाई जाएगी और अलग-अलग कार्यक्रम करने के लिए फंड दिया जाएगा। संत गाडगे बाबा तीर्थ सर्किट बनाया जाएगा। बाबासाहेब अंबेडकर की शताब्दी के मौके पर रायगढ़ में इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं दी जाएंगी। बालासाहेब ठाकरे के मेमोरियल का काम पूरा हो चुका है। ग्राम समृद्धि अभियान लागू किया जाएगा।

2) अजीत पवार ने 11 बार बजट पेश किया। उनके सख्त स्वभाव के कारण अनुशासन बना रहा। उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए अजीत दादा पवार का एक भव्य मेमोरियल बनाया जाएगा। उनके नाम पर एक नागरिक अवॉर्ड शुरू किया जाएगा। मैं यह बजट उन्हें समर्पित करता हूं, ऐसा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की।

3) मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तीसरे चरण को मंजूरी दे दी गई है। ग्राम सड़क योजना के तहत 30 हजार गांवों को जोड़ा गया है। 2450 किलोमीटर सड़कों का काम पूरा हो चुका है और 23 हजार पुलों पर काम शुरू हो चुका है। मुंबई-पुणे हाई-स्पीड ट्रेन के लिए प्रावधान किया गया है।

4) मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने यह भी घोषणा की है कि गोपीनाथ मुंडे दुर्घटना योजना में खेतिहर मजदूरों को भी शामिल किया जाएगा। पंढरपुर की सड़कों को मंजूरी दे दी गई है। 30 लाख से ज़्यादा किसानों को मौसम और बाज़ार भाव की जानकारी दी जा रही है। चारों एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है। किसानों की इनकम बढ़ाने में मदद की जा रही है। एग्रीस्टैक स्कीम लागू की जा रही है। फरवरी तक 1 करोड़ 31 लाख किसान आईडी बनाए जा चुके हैं। चार साल में कैपिटल इन्वेस्टमेंट बढ़ाकर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया जाएगा। अगले दो साल में महाराष्ट्र नेचुरल एग्रीकल्चर मिशन शुरू किया जाएगा।

5) राज्य की नई इन्वेस्टमेंट पॉलिसी का ऐलान किया गया है। हर जिले में माइक्रो और स्मॉल सेंटर बनाए जाएंगे। माइक्रो, स्मॉल और मीडियम इंडस्ट्री सेंटर बनाए जाएंगे। 50 लाख डायरेक्ट जॉब्स बनेंगे। प्रधानमंत्री सोलर योजना के तहत रूफ टॉप सोलर लगाए जाएंगे, बांस डेवलपमेंट प्रोजेक्ट बढ़ाए जाएंगे, विदेशी इन्वेस्टमेंट में महाराष्ट्र टॉप पर है। मुंबई और पुणे में 50 बिलियन डॉलर का सेंटर बनाने का मकसद है। गढ़चिरौली स्टील का नया हब बनकर उभरा है।

6) सेंटर की मदद से मुंबई में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजी शुरू हुआ, जीसीसी के लिए पुणे देश का सबसे पसंदीदा शहर है। मुख्यमंत्री ने बताया कि दुनिया में गेमिंग सेक्टर में टॉप पर आने के लिए महाराष्ट्र में 295 से ज़्यादा गेमिंग स्टूडियो बनाए जाएंगे।

7) मुख्यमंत्री ने कहा, हम सतारा ज़िले के वासोटा किले में टूरिस्ट के लिए एक रोपवे प्रोजेक्ट बनाएंगे। हम नागपुर के रामटेक में तीसरा फिल्म सिटी बनाएंगे।

8) मुख्यमंत्री ने कहा, हम मुंबई में एक और अंडरग्राउंड मेट्रो बनाएंगे, अटल सेतु मुंबई एयरपोर्ट को जोड़ेगा, हम राज्य में 1,200 किलोमीटर मेट्रो लाइनें बनाएंगे। हम 6,000 किलोमीटर एक्सप्रेसवे बनाएंगे। हम 2029 तक 165 किलोमीटर मेट्रो लाइनें बनाएंगे। हम 2028 तक साउथ मुंबई को समृद्धि हाईवे से जोड़ देंगे। देवेंद्र फडणवीस ने ऐलान किया कि वर्सोवा-भायंदर कोस्टल रोड दिसंबर 2028 तक पूरी हो जाएगी, पनवेल से कर्जत रोड जल्द ही ट्रैफिक के लिए खोल दी जाएगी।

9) मुख्यमंत्री ने लोन माफ़ी स्कीम लागू करने का वादा किया था। देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की कि वे 30 सितंबर, 2025 तक बकाया फसल लोन वाले किसानों के लिए 2 लाख रुपये तक की पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर शेतकरी कर्ज माफी योजना की घोषणा कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जो किसान रेगुलर अपना लोन चुकाएंगे, उन्हें 50 हजार रुपये तक का इंसेंटिव बेनिफिट दिया जाएगा।

10) मुख्यमंत्री मेरी लाडली बहिन योजना वैसे ही जारी रहेगी। देवेंद्र फडणवीस ने बताया है कि इस योजना के लिए ज़रूरी बड़े प्रावधान किए गए हैं।

सड़क हादसे में मारे गए व्यक्ति के परिवार को करीब 46.6 लाख रुपये का मुआवजा

ठाणे, (ईएमएस)। मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ठाणे ने पालघर जिले में करीब नौ साल पहले हुए एक सड़क हादसे में मारे गए एक व्यक्ति के परिवार को करीब 46.6 लाख रुपये का मुआवजा दिया। ट्रिब्यूनल ने इस जानलेवा हादसे के लिए एक ट्रक के ड्राइवर को जिम्मेदार ठहराया और इंश्योरेंस कंपनी को पीड़ित के परिवार को मुआवजा देने का आदेश दिया। ट्रिब्यूनल के आदेश के अनुसार, यह हादसा 13 मई, 2017 को सुबह करीब 8 बजे, वाडा तालुका में साई देवलीगांव के पास गोरहाफाटा-कांचड़फाटा रोड पर हुआ था। पीड़ित एक एसयूवी में जा रहा था, तभी सामने से तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रहे एक ट्रक ने सामने से गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से पीड़ित को सिर सहित गंभीर चोटें आईं और बाद में उसकी मौत हो गई। इस हादसे में एसयूवी में सवार कई अन्य लोग भी घायल हो गए। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज करके चार्जशीट फाइल की। सुनवाई के दौरान, ट्रिब्यूनल ने एफआईआर, स्पॉट पंचनामा, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और दूसरे इन्वेस्टिगेशन रिकॉर्ड जैसे डॉक्यूमेंट्स की जांच की। इसका नतीजा यह निकला कि यह साबित हुआ कि हादसा ट्रक ड्राइवर की तेज और लापरवाही से गाड़ी चलाने की वजह से हुआ। ट्रिब्यूनल के सामने रखे गए सबूतों से पता चला कि मृतक एक निजी कंपनी में ऑपरेटर का काम करता था और उसका परिवार उसकी आमदनी पर निर्भर था। उसकी कमाई, उम्र और डिपेंडेंट की संख्या का अंदाज़ा लगाने के बाद, ट्रिब्यूनल ने क्लेम करने वालों को मिलने वाले मुआवज़े का हिसाब लगाया। ट्रिब्यूनल ने यह भी नोट किया कि हादसे के समय ट्रक ड्राइवर के पास ट्रांसपोर्ट गाड़ी चलाने का वैलिड लाइसेंस नहीं था, जो इंश्योरेंस पॉलिसी की शर्तों का उल्लंघन था। हालांकि, थर्ड-पार्टी मोटर एक्सीडेंट क्लेम में तय कानूनी नियमों का पालन करते हुए, ट्रिब्यूनल ने इंश्योरेंस कंपनी को पहले पिटीशन फाइल करने की तारीख से 9 प्रतिशत सालाना ब्याज के साथ मुआवज़े की रकम जमा करने का निर्देश दिया। इंश्योरेंस कंपनी को बाद में सही कानूनी कार्रवाई के ज़रिए ट्रक के मालिक से रकम वसूलने की छूट दी गई। मुआवज़ा ट्रिब्यूनल के आदेश के अनुसार मृतक के आश्रितों में बांटा जाएगा।

सुभाष ब्रिज का होगा बड़ा कायाकल्प, 236 करोड़ से मरम्मत और दो नई लेन का निर्माण

■ 9 महीने में पुराना ब्रिज खुलेगा, बाद में बनेगी नई लेन; भारी ट्रैफिक को देखते हुए दो चरणों में होगा प्रोजेक्ट

अहमदाबाद (ईएमएस)। अहमदाबाद नगर निगम की स्टैंडिंग कमेटी ने सुभाष ब्रिज की मरम्मत और उसके साथ दो नई लेन बनाने के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी है। इस पूरे प्रोजेक्ट पर लगभग 236 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। योजना के अनुसार बंद पड़े सुभाष ब्रिज की मरम्मत का काम अगले 10 से 12 दिनों में शुरू किया जाएगा और करीब 9 महीनों में इसे फिर से यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। डिप्टी म्यूनिसिपल कमिश्नर मिरांत परिख के अनुसार, सुभाष ब्रिज अहमदाबाद शहर की जीवनरेखा के समान है, जहां से प्रतिदिन भारी ट्रैफिक गुजरता है। इसलिए इसकी मरम्मत और विस्तार का काम प्राथमिकता से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना को दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण में मौजूदा ब्रिज के सभी स्पान के सुपर स्ट्रक्चर को हटाकर उसकी जगह चार लेन के अनुरूप नया सुपर स्ट्रक्चर बनाया जाएगा। इसके लिए कॉम्पोजिट स्टील गर्डर टाइप का आधुनिक सुपर स्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा। साथ ही ब्रिज के पिलर और सब-स्ट्रक्चर को डिजाइन कंसल्टेंट द्वारा तय की गई मेथडोलॉजी के अनुसार मजबूत किया जाएगा, ताकि मौजूदा ब्रिज का सुरक्षित उपयोग जारी रह सके। पहले चरण का काम पूरा होने के बाद करीब 9 महीनों में ब्रिज को दोपहिया और हल्के वाहनों के लिए खोल दिया जाएगा, जिससे शहर के ट्रैफिक पर पड़ने वाला दबाव कम होगा। परियोजना के दूसरे चरण में मौजूदा ब्रिज के दोनों तरफ दो-दो लेन वाले नए ब्रिज बनाए जाएंगे। इन नए ब्रिजों को आइकोनिक स्टील स्ट्रक्चर के साथ आकर्षक फसाड लाइटिंग के साथ तैयार किया जाएगा। यह निर्माण कार्य अगले लगभग दो वर्षों में पूरा होने की संभावना है। इस प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद सुभाष ब्रिज न केवल मजबूत और सुरक्षित बनेगा, बल्कि शहर के बढ़ते ट्रैफिक को संभालने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

महिला के लिव-इन पार्टनर के खिलाफ रेल पुलिस ने मामला दर्ज किया

मुंबई, (ईएमएस)। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) में एक महिला के लिव-इन पार्टनर के खिलाफ बदनाम करने का मामला दर्ज किया है, जिसमें उसने अपनी निजी तस्वीरें उसके रिश्तेदारों को भेजी हैं और उसे बदनाम किया है। महिला अंडमान में अपने माता-पिता के घर पर रहती है। उसने अंडमान पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसने मामले को सीएसएमटी जीआरपी को ट्रांसफर कर दिया, क्योंकि आरोपी टर्मिनस के आसपास काम करता है। पुलिस ने कहा कि महिला ने 2017 में झारखंड में एक कंपनी में काम करते हुए शादी की थी। दंपति का एक बेटा है। लेकिन उनके बीच अक्सर झगड़े होते थे और वे अलग हो गए। महिला अंडमान में अपने माता-पिता के घर वापस चली गई। इसके बाद, वह ओडिशा चली गई, जहाँ उसकी दोस्ती एक शादी समारोह में मिले एक शख्स से हुई। दोनों साथ रहने लगे और उनकी एक बेटी हुई। लेकिन उसके साथ झगड़े के बाद, वह अंडमान, अपने माता-पिता के घर वापस आ गई। 9 जनवरी को, लिव-इन पार्टनर ने उसे फोन किया और धमकी दी। उसने उसे बदनाम करने के लिए उनकी निजी तस्वीरें उसके रिश्तेदारों को भेज दीं। इसके बाद उसने उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। जीआरपी ने उसे फोन करके बयान देने को कहा। उन्होंने उससे सारे सबूत जमा करने को भी कहा है ताकि वे आरोपी को ढूंढ सकें।

गुजरात में बढ़ेगी तपिश: 10 मार्च तक हीटवेव का अलर्ट, कई शहरों में तापमान 38 डिग्री के करीब

■ सौराष्ट्र-कच्छ और दक्षिण गुजरात में तापमान बढ़ने की संभावना, अहमदाबाद समेत कई शहरों में तापमान 2-3 डिग्री बढ़ने की संभावना

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में इन दिनों मौसम का मिला-जुला मिजाज देखने को मिल रहा है। दिन में तेज गर्मी का एहसास हो रहा है, जबकि रात के समय हल्की ठंड बनी हुई है। इसी बीच मौसम विभाग ने राज्य में हीटवेव को लेकर अहम चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार मार्च की शुरुआत के साथ ही राज्य में गर्मी का प्रकोप बढ़ने लगा है और अगले पांच दिनों तक कई क्षेत्रों में तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। खास तौर पर सौराष्ट्र-कच्छ और दक्षिण गुजरात के इलाकों में कड़ी गर्मी पड़ने की संभावना है। राज्य में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो सकती है। पूर्वानुमान के मुताबिक आज और कल सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र में तापमान बढ़ने की संभावना है। वहीं रविवार से समुद्री तटीय क्षेत्रों में भी हीटवेव का असर देखने को मिल सकता है। दरियाकांठे के इलाकों में न्यूनतम तापमान में भी करीब 3 डिग्री तक बढ़ोतरी होने की संभावना जताई गई है। अहमदाबाद सहित पूरे गुजरात में तापमान लगातार बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने 10 मार्च तक राज्य में हीटवेव की संभावना व्यक्त की है। अगले 24 घंटों के बाद राज्य के अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की वृद्धि होने का अनुमान है। आज और कल भावनगर शहर में हीटवेव की संभावना जताई गई है। वहीं 8, 9 और 10 मार्च को सौराष्ट्र के भावनगर, पोरबंदर और गिर सोमनाथ के साथ-साथ दक्षिण गुजरात के भरूच, नवसारी, सूरत और वलसाड में भी हीटवेव की आशंका है। इन तीन दिनों के दौरान केंद्र शासित प्रदेश दीव और दमन में भी लू चलने की संभावना है। अगर वर्तमान तापमान की बात करें तो भावनगर में सबसे अधिक 38 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है। वहीं राजकोट में 37.9 डिग्री, भावनगर के महुवा में 37.8 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ है। अहमदाबाद, अमरेली और केशोद में तापमान 37.7 डिग्री तक पहुंच गया है। इसके अलावा सुरेंद्रनगर में 37.5 डिग्री, डीसा में 37.3 डिग्री और गांधीनगर व वडोदरा में 37.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया है। अहमदाबाद में 8 मार्च को होने वाले टी-20 विश्व कप के फाइनल के दिन तापमान करीब 37 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना जताई गई है। फिलहाल राज्य में उत्तर-पश्चिम दिशा से हवाएं चल रही हैं, जबकि दक्षिण गुजरात के तटीय क्षेत्रों में हवा का असर अधिक देखा जा रहा है।

मुंबई में ईडी की बड़ी कार्रवाई, अर्चना कुटे गिरफ्तार

मुंबई, (ईएमएस)। ज्ञानराधा मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी (डीएमसीसीएसएल) केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने वित्तीय गड़बड़ियों और मनी लॉन्ड्रिंग के एक केस में अर्चना कुटे को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पीएमएलए, 2002 के तहत की गई है। अर्चना कुटे को मुंबई की एक विशेष कोर्ट में पेश किया गया जहाँ कोर्ट ने अर्चना कुटे को आज 7 मार्च, तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है। मालूम हो कि मई और जुलाई 2024 के बीच निवेशकों से धोखाधड़ी करने के आरोप में महाराष्ट्र के अलग-अलग पुलिस थानों में एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि निवेशकों को 12 से 14 प्रतिशत रिटर्न का लालच देकर उनसे डिपॉजिट जमा किए गए थे। जांच में पता चला है कि लोन की आड़ में कुटे ग्रुप से जुड़ी कंपनियों में करीब 2,467 करोड़ रुपये का फंड डायवर्ट किया गया था। ईडी का आरोप है कि बिना जरूरी डॉक्यूमेंट्स, कोलैटरल या फंड के मकसद के ट्रांजैक्शन किए गए। सुरेश कुटे को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। विशेष कोर्ट में चार्जशीट फाइल की गई है। ईडी ने छापों में 1,621.89 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्ति जब्त की है।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)